डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

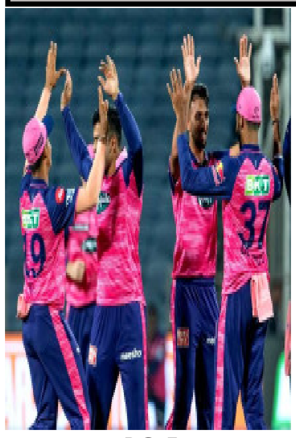

PG-5

PG-5

सिनेमाः राजकुमार संतोषी को कोर्ट ने चेक बाउंस होने के मामले में ...

वर्ष -08 अंक -31 | प्रयागराज, मंगलवार 05 अप्रैल, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

भारत में करीब दो साल बाद एक हजार से कम आए कोरोना के मामले, 24 घंटे में इतने लोग हुए संक्रमित

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में बड़ी राहत देखने को मिली है। करीब दो साल बाद भारत में कोरोना के एक हजार से कम मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना के कुल 913 नए मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने बताया कि 715 दिन बाद भारत में कोरोना के एक हजार से कम मामले दर्ज किए गए हैं कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना से सिर्फ 13 लोगों की मौत हुई है। जबकि कल यानी रविवार को कोरोना से 81 लोगों की मौत हुई थी। देश में अब तक कोरोना की वजह से कुल 5,21,358 लोगों की जान जा चुकी है। देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या भी तेजी से कम हो रही है। लंबे समय बाद एक्टिव केस 13 हजार से कम हुए हैं। कोरोना के एक्टिव मरीज घटकर 12,597 हो गए हैं। बता दें कि भारत में 714 दिन बाद एक्टिव केस 13 हजार से कम हुए हैं। इसी बीच डेली पाजिटिविटी दर 0.29 फीसद हो गई है।

पुणे पुलिस ने आईपीएल सट्टेबाजी रैकेट का किया भंडाफोड़, 27 लाख रुपये किए जब्त

पुणे। आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान पिंपरी चिंचवाड़ में बेटिंग लगाने वाले एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। पुणे में आईपीएल मैच में सट्टेबाजी के लिए चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और 27 लाख रुपये नकद जब्त किए गए हैं। इस बात की जानकारी पुणे की पिंपरी चिंचवाड़ पुलिस ने दी। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात कालेवाड़ी में सट्टेबाजी रैकेट का भंडा फोड़ा गया और रविवार को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच शनिवार को पुणे के एमसीए स्टेडियम में खेले जा रहे मैच में सट्टा लगा रहे थे। उसी वक्त इन सट्टेबाजों की सूचना पुलिस को लगी।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं टीएस सिंह देव ने माना आम आदमी पार्टी ने साधा उनसे संपर्क

रायपुर। कांग्रेस पार्टी छोड़ने की अफवाहों के बीच छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव ने आज खुलकर इन बातों का खंडन किया है। हालांकि उन्होंने यह बात मानी है कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने उनसे संपर्क किया था। बता दें कि कई दिनों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के साथ उनकी मुलाकात की अफवाहों का दौर चल रहा था जिसके बाद आज सिंह देव खुद सामने आए हैं। संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता देव ने कहा कि मैं वैचारिक मतभेदों के कारण भाजपा में शामिल नहीं होऊंगा, मेरे परिवार की पांच पाढ़ियां कांग्रेस में रही हैं और मैं भी पार्टी नहीं छोड़ रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेरे लिए कांग्रेस से आगे सोचना भी मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा कि मैं अरविंद केजरीवाल से नहीं मिला हूं लेकिन यह सच है कि राजनीति में ऐसे लोग होते हैं जो एक-दूसरे से संपर्क करते हैं। इसलिए, ऐसा नहीं है कि किसी ने मुझसे संपर्क नहीं किया। लेकिन मैंने उनसे भी वही कहा है जो अब भी कह रहा हूं। बता दें कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ उनके विवाद बहुत पुराने हैं और दोनों नेताओं में खासी बनती भी नहीं है। 2018 के विधानसभा चुनावों में भी सिंह देव मुख्यमंत्री पद के बड़े दावेदारों में से एक थे। वहीं कांग्रेस को बहुमत मिलने के बाद मुख्यमंत्री के चयन के समय उन्हें तीन अन्य नेताओं के साथ पार्टी नेतृत्व से मिलने के लिए दिल्ली भी बुलाया गया था। पिछली बार सीएम बनने की रेस में चार लोगों में टीएस देव समेत भूपेश बघेल, चरणदास महंत और ताम्रध्वज साहू शामिल थे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और राजनीतिक हलचल अभी से तेज हो गई है।

पीएम के साथ बैठक में वरिष्ठ नौकरशाहों ने कहा, कई राज्यों की लोकलुभावन योजनाएं ठीक नहीं, श्रीलंका जैसा हो सकता है हश्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वरिष्ठ नौकरशाहों के साथ बैठक में कुछ अधिकारियों ने कई राज्यों द्वारा घोषित लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता जताई और दावा किया कि वे आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं हैं और वे उन्हें श्रीलंका के रास्ते पर ले जा सकती हैं। यह बात सूत्रों ने रविवार को बताई। प्रधानमंत्री ने शनिवार को 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने शिविर कार्यालय में सभी विभागों के सचिवों के साथ चार घंटे की लंबी बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के अलावा केंद्र सरकार के अन्य शीर्ष नौकरशाह भी शामिल हुए। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री की सचिवों के साथ यह नौवीं बैठक थी। सूत्रों ने बताया कि 24 से अधिक सचिवों ने अपने विचार व्यक्त किए और प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने फीडबैक साझा किए, जिन्होंने उन सब को ध्यान से सुना। दो सचिवों ने हाल के विधानसभा चुनावों में एक राज्य में घोषित एक लोकलुभावन योजना का उल्लेख किया जो आर्थिक रूप से खराब स्थिति में है। उन्होंने साथ ही अन्य राज्यों में इसी तरह की योजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि वे आर्थिक रूप से टिकाऊ नहीं हैं और राज्यों को श्रीलंका के रास्ते पर ले जा सकती हैं। बैठक के दौरान मोदी ने नौकरशाहों से स्पष्ट रूप से कहा कि वे कमियों (शार्टेज) के प्रबंधन की मानसिकता से बाहर निकलकर अधिशेष (सरप्लस) के प्रबंधन की नई चुनौती का सामना करें। मोदी ने उनसे प्रमुख विकास परियोजनाओं पर आगे नहीं बढ़ने के बहाने के तौर पर 'गरीबी' का हवाला देने की पुरानी परिपाटी छोड़ने और बड़ा दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहा। कोविड-19 महामारी के दौरान सचिवों ने जिस तरह से साथ मिलकर एक टीम की तरह काम किया, उसका उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि उन्हें भारत सरकार के सचिवों के रूप में कार्य करना चाहिए न कि केवल अपने संबंधित विभागों के सचिवों के रूप में और उन्हें एक टीम के रूप में काम करना चाहिए। उन्होंने सचिवों से सरकार की नीतियों में खामियों पर फीडबैक और सुझाव देने के लिए भी कहा, जिनमें वे नीतियां भी शामिल हैं जो उनके संबंधित मंत्रालयों से संबंधित नहीं हैं। ऐसी बैठकों के अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने शासन में समग्र सुधार के लिए नए विचारों का सुझाव देने के लिए सचिवों के छह-क्षेत्रीय समूहों का भी गठन किया है।

राज ठाकरे की मांग, मस्जिदों के लाउड स्पीकर बंद करो नहीं तो तेज आवाज में बजाया जाएगा हनुमान चालीसा

मुंबई। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को मस्जिदों के लाउड स्पीकर बंद किए जाने की शनिवार को मांग की। ठाकरे ने यहां शिवाजी पार्क में एक रैली में कहा, मस्जिदों में लाउड स्पीकर इतनी तेज आवाज में क्यों बजाए जाते है अगर इसे नहीं रोका गया तो मस्जिदों के बाहर स्पीकर पर अधिक तेज आवाज में हनुमान चालीसा बजाया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं प्रार्थना या किसी विशेष धर्म के खिलाफ नहीं हूं। मुझे अपने धर्म पर गर्व है। मनसे प्रमुख ने राकांपा प्रमुख शरद पवार की भी आलोचना की और उन पर 'समय-समय पर जाति का मुद्दा उठाने तथा समाज को विभाजित करने' का आरोप लगाया। राज ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे पर भी कटाक्ष किया। उद्धव की पार्टी शिवसेना 2019 में मुख्यमंत्री पद को लेकर भाजपा से अलग हो गई थी। राज ठाकरे ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कह रहे थे कि देवेंद्र फड़नवीस अगले मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। उद्धव ठाकरे मंच पर मौजूद थे। लेकिन उन्होंने कभी सीट बंटवारे के फार्मूले का जिक्र नहीं किया। उद्धव ने इसे तभी उठाया जब उन्हें एहसास हुआ कि भाजपा उनकी मदद के बिना (2019 के चुनावों के बाद) सरकार नहीं बना सकती है। मनसे नेता ने आरोप लगाया कि सरकार में शामिल तीन दलों (शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस) ने लोगों के जनादेश की अनदेखी की है।

अमेजन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को अमेजन और फ्यूचर ग्रुप के बीच विवाद मामले में सुनवाई की जाएगी। रिलायंस और फ्यूचर ग्रुप (ईंथ) के बीच 24,713 करोड़ रुपये की डील को लेकर यह विवाद है जिसपर अमेरिका की ई कामर्स दिग्गज कंपनी अमेजन विरोध जता रही है। अमेजन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपील किया है कि फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (ईंथ) अपनी संपत्तियों को तब तक न बेचे जब तक विवाद खत्म नहीं होता। बता दें कि इन संपत्तियों में बिग बाजार के स्टोर्स भी शामिल हैं। इससे पहले की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया था कि क्या वह अमेजन की याचिका पर कोई अंतरिम आदेश जारी कर सकता है। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। बेंच ने कहा कि जिन संपत्तियों पर ईंथके स्टोर चल रहे थे, उनके मालिक हमारे सामने नहीं हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब संपत्ति का मालिक हमारे सामने नहीं है तो क्या उससे जुड़ा कोई आदेश पारित किया जा सकता है। वहीं अमेजन का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम ने कहा था कि जहां तक मध्यस्थता प्रक्रिया फिर से शुरू करने का सवाल है तो अमेजन और फ्यूचर समूह दोनों एकमत हैं। उन्होंने कहा कि ईंथ के 800 से अधिक स्टोर को खाली कराकर रिलायंस समूह ने अपने कब्जे में ले लिया है की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने बताया था कि करीब 374 स्टोर समूह के पास हैं और जब तक इन संपत्तियों के मालिक उन्हें स्टोर चलाने की अनुमति देंगे तब तक वह काम करना जारी रखेंगे। साल्वे ने कहा कि कंपनी के खाते फ्रीज हैं और वह किराया अदा नहीं कर सकती है। ऐसे में संपत्तियों के मालिक उम्मीद जता रहे हैं कि इस पूरी प्रक्रिया में यदि रिलायंस हो तो उन्हें जरूर पैसा मिल जाएगा। किराए का भुगतान करने के लिए कंपनी के पास पैसा नहीं है। यदि इसके लिए कंपनी को उधार देने वाले बैंक पार्टी बनते हैं तो दिवालिया प्रक्रिया शुरू होने की आशंका बलवती हो जाएगी।

लखीमपुर खीरी हिंसाः आशीष मिश्रा की जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली। लखीमपुर हिंसा मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इससे पहले बीते हफ्ते बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एसआईटी जांच की निगरानी कर रहे जज की रिपोर्ट पर उत्तर प्रदेश सरकार से सोमवार तक जवाब मांगा था। कोर्ट ने आज यानी 4 अप्रैल तक के लिए सुनवाई टाल दी थी। बता दें कि आशीष मिश्रा गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे हैइससे पहले यूपी सरकार ने अदालत को बताया था कि उसने आशीष मिश्रा की जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया था। यूपी की योगी सरकार ने कहा कि राज्य ने आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत याचिका का प्रभावी ढंग से विरोध नहीं किया, ये कहना गलत है। बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आशीष मिश्रा को जमानत दी थी। जमानत दिए जाने के बाद 15 फरवरी को उसे जेल से रिहा किया गया था। बता दें कि ये मामला बीते साल 3 अक्टूबर को लखीमपुर खीरी जिले का है। तिकुनिया इलाके में कुछ किसान यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध कर रहे थे। इस दौरान तेज स्पीड में एक एसयूवी कार ने कुछ किसानों को कुचल दिया था। इस घटना के बाद हिंसा भड़क गई। गुस्साए किसानों ने एक ड्राइवर और भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। आरोप है कि जिस कार से किसानों को कुचला गया, उसे आशीष मिश्रा चला रहा था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआइटी ने अपनी रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी थी। एसआइटी की जांच के बाद आशीष को गिरफ्तार कर लिया गया था।

सिंगापुर दौरे पर थल सेनाध्यक्ष जनरल नरवणे क्रांजी युद्ध स्मारक में द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। थल सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे तीन दिवसीय दौरे पर सिंगापुर पर पहुंचे। यात्रा के पहले पहले दिन सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने क्रांजी युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। दरअसल, आज 4 अप्रैल से 6 अप्रैल तक थल सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे सिंगापुर के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और सिंगापुर के मौजूदा मजबूत रक्षा संबंधों को मजबूत करना है। मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान जनरल एमएम नरवणे सिंगापुर के वरिष्ठ सैन्य और नागरिक नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। आपको बता दें कि जनरल नरवणे अपनी यात्रा के दौरान सिंगापुर के रक्षा मंत्री, सेना प्रमुख और अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक करेंगे। जहां वह भारत-सिंगापुर रक्षा संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। सेना के मुताबिक, सीओएएस सिंगापुर के इन्फैंट्री गनरी टैक्टिकल सिमुलेशन एंड वारगेम सेंटर, रीजनल एचएडीआर कोआर्डिनेशन सेंटर, इंफो फ्यूजन सेंटर और चांगी नेवल बेस का भी दौरा करेंगे।

एक जगह मिलेंगी वाहन दुर्घटना से जुड़ी सारी जानकारियां, फर्जी दावों पर भी लगेगा अंकुश, वेबपोर्टल तैयार

नई दिल्ली। मोटर दुर्घटना के मामलों को निपटाने में अब आसानी होगी और तेजी भी आएगी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मोटर वाहन दुर्घटना मामलों के लिए आनलाइन वेब पोर्टल तैयार किया गया है जिसमें मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित सारी जानकारियां एक जगह उपलब्ध होंगी और सभी संबंधित एजेंसियों को एक साथ अलर्ट भी मिल जाएगा। इनमें दुर्घटनास्थल की साइट मैपिंग केसाथ जियो टैगिंग होगी। 24 राज्यों के मोटर दुर्घटना से संबंधित आंकड़े इस पर अपलोड भी हो चुके हैं। इससे मोटर वाहन दुर्घटना के फर्जी दावों पर भी अंकुश लगेगा। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल कर उक्त जानकारी दी। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एमएम सुंद्रेश की पीठ ने 31 मार्च को हुई सुनवाई में अपने आदेश में रिपोर्ट के अंश उद्धत भी किए। केंद्र ने अन्य पहलुओं पर काम करने के लिए कोर्ट से कुछ और समय मांगा है। कोर्ट मामले पर 21 जुलाई को फिर सुनवाई करेगा। कोर्ट ने बीमा कंपनियों और अन्य पक्षकारों से कहा है कि वे इस दौरान मोटर दुर्घटना मामलों को जल्द निपटाने के तरीकों पर विचार करें। कोर्ट मोटर वाहन दुर्घटना के मामले जल्द निपटाने से जुड़े एक केस की सुनवाई कर रहा था। पूर्व सुनवाई में कोर्ट ने मोटर वाहन दुर्घटना से जुड़े सारे आंकड़े एक जगह उपलब्ध कराने के लिए जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन (जीआइसी) से एक एप तैयार करने को कहा था। कोर्ट को सौंपी गई केंद्र की रिपोर्ट में बताया गया है कि जीआइसी ने एक प्राइवेट डेवलपर की मदद से मोबाइल एप बनाने का काम शुरू किया है। केंद्र ने बताया है कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तत्वावधान में मोटर वाहन दुर्घटना का एक वेबपोर्टल तैयार किया जा चुका है। इस वेबपोर्टल पर डिटेल एक्सीडेंट रिपोर्ट (डीएआर) का डिजिटलाइजेशन होगा। पोर्टल पर ई-डीएआर उपलब्ध होगा जिसमें दुर्घटना संबंधी सारी जानकारियां होंगी।

माहे रमजान की पहली अफ्तारी में जुटे छोटे बड़े

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर। रमजान पाक का मुबारक माह रविवार से शुरू हो गया। हर घर में रोजा खोलने हेतु गृहणिया इफ्तार पकवान बनाने में व्यस्त रही। शाम 6:22 पर इफ्तार हेतु मस्जिदों में जैसे ही अजान हुई। हर घर से लेकर मस्जिदों में रोजेदारों संग बच्चों ने भी इफ्तारी का आनंद लिया। 30 दिवसीय रमजान में मुस्लिम घरानों में इफ्तार से सेहरी तक तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। हर गरीब अमीर पर अल्लाह पाक की रहमत बरसती है। पूरे माह अच्छे भोजन व इफ्तार सामग्री नसीब होती है। बच्चों को दिनभर पकवानों का इंतजार रहता है। आज पहली अफ्तारी खाकर बच्चों में खुशी का ठिकाना ना रहा। घर से दूर मुंबई गये लोगों ने अपनी दुकान में ही बैठकर सभी के साथ इफ्तार कर अपना पहला रोजा मुकम्मल की।

4 अप्रैल को मण्डल आयुक्त करेंगे जनपद का भ्रमण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। मण्डल आयुक्त प्रयागराज 4 अप्रैल को जनपद प्रतापगढ़ की विभिन्न योजनाओं/परियोजनाओं का निरीक्षण करने हेतु आएंगे। वह में 10 बजे से 11 तक स्कूल चलो अभियान के तहत मुख्यमंत्री के संबोधन संबंधी कार्यक्रम में जिलाधिकारी के साथ प्रतिभाग करेंगे।11 बजे से 2बजे तक जिलाधिकारी द्वारा चिह्नित किसी तहसील का निरीक्षण करेंगे।2 बजे से 3 बजे तक वह आरक्षित रहेंगे।3 बजे से गौशालाओं का स्थलीय निरीक्षण, अस्पतालों/ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण,ग्रामीण पेयजल समूह योजनाओं का निरीक्षण तथा अन्य सरकारी योजनाओं/परियोजनाओं का निरीक्षण करने के बाद वह 5 बजे यहाँ से प्रस्थान करेंगे।

पेट्रोल-डीजल के साथ सीएनजी ने भी पकड़ी रफ्तार, प्रयागराज में अब क्या है रेट

प्रयागराज। पेट्रोल-डीजल के दामों के साथ लोगों पर महंगाई की चौतरफा मार पड़ रही है। पिछले 14 दिनों में 12 बार पेट्रोल व डीजल के दामों में इजाफा हो चुका है। वहीं सोमवार को सीएनजी के दाम में भी 6.60 पैसे की वृत्रि हो गई है। इसका असर सवारी वाहनों पर भी पड़ने वाला है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 40 पैसे प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। महंगाई का आलम ये है कि पिछले 14 दिन में पेट्रोल और डीजल की कीमतों व वाहन चालकों में किचकिच हो रही है। वहीं भाड़ा बढ़ जाने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्य वृद्धि के बाद प्राइवेट बस संचालकों ने बस व सभी वाहनों का किराया में 10 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी गई है। हाल ही में डीजल सीएनजी की कीमतों में इजाफे का तर्क देकर यात्रियों की जेब पर बोझ डाल चुके निजी ट्रांसपोर्टरों ने कई रुटों पर बसों का किराया महंगा कर दिया। बस

में 12 बार इजाफा हो चुका है। इसी क्रम में तेल की कीमतें दो हफ्ते में 8.40 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से बढ़ गईं। सीएनजी की बात करें तो इसके दामों में 6.60 पैसे प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। अब प्रयागराज में एक किलोग्राम सीएनजी के लिए 82 रुपये का भुगतान करना होगा। लगातार बढ़ रहे पेट्रोल व डीजल के कीमतों के साथ ही सीएनजी की बढ़ते दामों के कारण माल ढुलाई व सवारी वाहनों का भाड़ा महंगा हो गया है। इसका असर लोगों की जेबों पर पड़ने लगा है। भाड़े को लेकर सवारी किराए में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि का मामला तूल पकड़ने लगा है। मिनी ट्रक ट्रांसपोर्ट यूनियन के अध्यक्ष परमानंद त्रिपाठी ने बताया कि लगातार पड़ती महंगाई की मार को देखते हुए छोटे सवारी वाहनों से लेकर ट्रांसपोर्ट के सभी वाहनों के भाड़े में 10 प्रतिशत तक का बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले पेट्रोल व डीजल के कीमतों में लगातार बढ़त हो रही थी तब भाड़े में बढ़त हुई थी। वहीं प्रशासन की ओर से किराए की बढ़त को लेकर कोई सूचना नहीं जारी की गई है।

प्रतापगढ़ के सांसद संगमलाल गुप्ता ने अपने जन्मदिन पर दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल बांटी

प्रयागराज। प्रतापगढ़ में सांसद एवं राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा संगम लाल गुप्ता ने कटरा मेदनीगंज स्थित आवास पर दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल और युवाओं को खेल सामग्री बांटी। वह अपने जन्मदिन के अवसर पर लोगों से मिले। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय के सिद्धांत अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने पर वह चल रहे हैं। मोदी और योगी के नेतृत्व में आज भारतीय जनता पार्टी गांव गरीब के बीच सेतु बनकर खड़ी है। इसलिए हर पावन अवसर पर गांव,गरीब, पिछड़ों और दलितों की सेवा करना ही उनकामुख्य ध्येय है, जिस पर वह अनवरत चलते रहेंगे। इस अवसर पर विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल, आशीष मौर्य, राजेश सिंह,ओम प्रकाश पांडेय गुड्डू, आशीष श्रीवास्तव, विवेक उपाध्याय, अभिषेक पांडेय आदि उपस्थित थे। भारतीय जनता पार्टी के प्रतापगढ़ से सांसद संगम लाल गुप्ता का जन्मदिन नई दिल्ली में कार्यकर्ताओं और मातृशक्ति ने धूमधाम से मनाया। संगम लाल गुप्ता संसद के महत्वपूर्ण सत्र के संचालन के बीच भी कार्यकर्ताओं के प्रेम से भावविभोर होकर उन्होंने अपने जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया।

सीओ फूलपुर ने नगर पंचायत व विद्युत विभाग वालों के साथ संगोष्ठी की

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर (प्रयागराज)। माहे रमजान एवं चैत्र नवरात्रि का महत्वपूर्ण पर्व एक साथ चल रहा है। जिसमें इस भीषण गर्मी के चलते विद्युत आपूर्ति एवं सफाई व पेयजल समस्या मायने रखती है। बीते दो दिन पूर्व कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक में किसी जिम्मेदार का ना आना लोगों में कौतूहल बना रहा। ऐसे में रविवार को सीओ फूलपुर राम सागर ने दोनों विभाग के लोगों के साथ थाने में संगोष्ठी की। एस0डी0ओ0 विद्युत विभाग फूलपुर प्रांजल मिश्रा तथा जे0ई0 विजय कुमार से उक्त पवित्र माह और त्योहारों पर विद्युत कटौती ना हो ऐसी व्यवस्था कराएं जाने की बात कही। ऐसे में बिजली पानी दोनों समुदायों के लिए निहायत जरूरी है। नगर पंचायत के सफाई नायक मोहम्मद साबान तथा ऑफिस वर्क देखने वाले शिव बहादुर से नगर में साफ सफाई व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने व

प्रकाश व्यवस्था तथा पेयजल व्यवस्था का विशेष ध्यान दे। ई0 ओ0 को कस्बे के संभ्रांत नागरिकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करने हेतु उन्हें चाय पर बुलाने को कहा। मुस्लिम भाइयों के लिए इफ्तार से तरावीह तक महत्वपूर्ण समय होता है। ऐसे में प्रकाश व पेयजल आदि की व्यवस्था पर ध्यान देने तथा धर्म स्थलों के आस-पास सुअरों के विचरण पर रोक लगाने की बात कही। बैठक में गोपाल कृष्ण द्विवेदी उर्फ राजा बाबू, प्रभाकांत अवस्थी, रतन मौर्य, सत्यम केसरी, इस्लाह अहमद, बबलू, अनीस अहमद, सौम्या मिश्रा के अलावा थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय, चौकी इंचार्ज विनय मिश्रा, उपनिरीक्षक माजिद खान, उपनिरीक्षक जय सिंह यादव, सुनील मिश्रा आदि मौजूद रहे ।

पत्रकार समाज का असली दर्पण होता है विधायक बारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
राकेश मिश्रा

बारा। तहसील स्थित सभागार में पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज के होली मिलन व तहसील इकाई बारा का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि विधायक बारा डॉ वाचस्पति ने सम्बोधित करते हुए कहा कि न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका के असल दर्पण पत्रकार अध्यक्ष आशीष मिश्र सहित सभी पदाधिकारियों का विधायक द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया। विशिष्ट अतिथि क्षेत्राधिकारी बारा विमल किशोर मिश्रा, डॉ विनोद त्रिपाठी, कमलाकर सिंह ने अपने विचार रखे। कोरांव एवम करछना से आये पत्रकारों को डायरी व मैं हूँ बारा का कैलेंडर देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष पी सी पाण्डेय, सुरेन्द्र

होते हैं जो सभी से आंख से आंख मिलाकर प्रशन करने की हिम्मत रखते हैं। माल्यार्पण, तिलक व इत्र लगाकर सभी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे तहसीलदार बारा गणेश सिंह ने कहा कि सरकार की मंशानुरूप योजनाओं को समाज के सबसे निचले पायदान तक पहुंचाने में पत्रकारों की भूमिका अहम होती है। तहसील इकाई बारा के निर्वाचित पदाधिकारियों को जिलाध्यक्ष प्रयागराज सुभाष शुक्ला द्वारा शपथ दिलाई गई। तहसील पाण्डेय, ज्ञानेंद्र पाठक, अनूप जायसवाल, सोनू भटनागर, सुमन्त भार्गव, दीपक पाण्डेय, नावेद खान, जीतेन्द्र शुक्ल के के मिश्रा, पुष्कर शुक्ला, आशुतोष त्रिपाठी, मनोज बिंद, राकेश मिश्रा, महेश प्रसाद त्रिपाठी, राकेश कुशवाहा, नईम अहमद, माजिद अहमद, राम प्रताप, इंद्रजीत मिश्रा, दीप चन्द्र शुक्ला, मनोज केसरवानी, मो अली, निभय शंकर दुबे, पवन पाल व समाजसेवी मुकेश द्विवेदी व सर्किल के सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे। संचालन आंनद जायसवाल ने किया।

युवक की मौत का कारण बने बंदर, हमले से बचने को भागते समय छत से गिरा

प्रयागराज। यूपी के कौशांबी जनपद में एक युवक का कारण बंदर बने। जी हां, ऐसा ही कुछ हुआ। वाकया सोमवार की सुबह का है। युवक छत पर सो रहा था। वहां पहुंचे बंदरों के झंड ने उस पर हमला कर दिया। उसे दांतों से काटने लगे। अचानक इस घटना से उसकी नींद टूटी। माजरा समझ वह बंदरों से

बचने के लिए भागा। नींद के झोंके व हड़बड़ी में वह दो मंजिल मकान की छह से नीचे गिर पड़ा। लोग उसे अस्पताल ले गए तो चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार सदमे में है। चरवा थाना क्षेत्र के पनवरिया निवासी 32 वर्षीय रामबाबू पुत्र स्वर्गीय संपत लाल खेती किसानी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके बड़े भाई श्रीचंद्र के मुताबिक रामबाबू सोमवार की भोर में छत की दूसरी मंजिल पर सोया हुआ था। सुबह करीब 4:30 बजे बंदरों का एक झुंड छत पर पहुंच गया, जहां रामबाबू सो रहा था। बंदरों ने बिस्तर पर सोए रामबाबू के ऊपर हमला बोल दिया। बंदरों के हमले से नींद टूटी तो रामबाबू अपनी जान बचाने के लिए छत से नीचे उतरने का प्रयास करने लगा। इस बीच हड़बड़ाहट में वह सीढ़ी से फिसल कर जमीन पर आ गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। चीख-पुकार मची तो परिवार के लोग भी नींद से जागे। जानकारी होने पर आनन-फानन में रामबाबू को अस्पताल ले जाने लगे। सिर पर लगी गहरी चोट के कारण अधिक रक्तस्राव होने के कारण रास्ते में ही रामबाबू ने दम तोड़ दिया। अस्पताल ले जाने पर डाक्टरों ने मौत की पुष्टि की। घटना से स्वजन गमगीन हैं। उनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विशेष ट्रेन से अब भारत दर्शन करना हुआ महंगा, कितना बढ़ गया किराया

प्रयागराज। इस बार की गर्मी की छुट्टियों में परिवार के साथ अगर आप भारत दर्शन की योजना बना रहे हैं और आपको घूमने-फिरने का शौक है तो यह खबर आपके लिए ही है। अगर आप ट्रेन से यात्रा करने वाले हैं खासकर आइआरसीटीसी की विशेष ट्रेन से भारत दर्शन का विचार आपके मन में है तो जरूर यह जानकारी रखें, क्योंकि भारत दर्शन की जगह आइआरसीटीसी अब स्वदेश दर्शन के नाम पर विशेष ट्रेन चलाएगा। हालांकि इस ट्रेन का किराया हजारों रुपये बढ़ा दिया गया है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन यानी आइआरसीटीसी अपने यात्रियों को लगातार भारत दर्शन के लिए धार्मिक यात्रा कराता है। इसके लिए वह विशेष ट्रेन चलाता है। ऐसी ही एक ट्रेन 28 अप्रैल को प्रयागराज संगम स्टेशन से दक्षिण भारत यात्रा के लिए गुजरेगी। इस विशेष ट्रेन में सुविधाओं के साथ किराया भी काफी सीमित रहता है। हालांकि अब इस ट्रेन का किराया बढ़ा दिया गया है भारत दर्शन ट्रेन अपनी सुविधाओं और नियमित तौर पर यात्रियों के लिए चलाए जाने के

कारण प्रसिद्ध हो गई थी। अलग-अलग रूटों पर इसके संचालन ने पूरे देश का भ्रमण करने वाले लोगों ने लिए एक बेहतर विकल्प खोल दिया था। खासकर धार्मिक स्थल की यात्रा करने वालों के लिए मौजूदा समय में इस ट्रेन का किराया 20440 रुपये प्रति व्यक्ति कर दिया गया है, जबकि पूर्व में भारत दर्शन के लिए जाने वाली इसी ट्रेन का किराया 12150 रुपये था। आइआरसीटीसी के प्रवक्ता आनंद कुमार ने बताया कि 1 अप्रैल से नियमों में बदलाव हुआ है। पहले भारत दर्शन के लिए जो ट्रेन चलाई जाती थी उसके लिए रेलवे की ओर से यात्रियों को सब्सिडी दी जाती थी, जिससे उनका किराया काफी कम हो जाता था। 1 अप्रैल से या सब्सिडी बंद कर दी गई है, जिसके कारण किराया बढ़ गया है। आइआरसीटीसी ने इस ट्रेन का नाम भी अब बदल दिया गया है। पहले यह भारत दर्शन के नाम से चलती थी। अब इस ट्रेन को स्वदेश दर्शन के नाम से चलाई जा रही है। 28 अप्रैल को जो ट्रेन प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन के रास्ते दक्षिण भारत दर्शन के लिए जाएगी इसका किराया भी इसी कारण बढ़ गया है। मौजूदा समय में किराए में लगभग 8000 हजार रुपये का अंतर आ गया है। यह अंतर तभी कम किया जा सकता है, जब रेलवे की ओर से पुनः प्रति यात्री सब्सिडी दी जाए।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडो में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.**प्रमाण पत्रः-** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। 2.**चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। 3.**आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। 4.**आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। 6.**कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। 7.**छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। 9.**दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

भेलूपुर थाना क्षेत्र के रविंद्रपुरी कालोनी में संदिग्ध परिस्थिति में मिला युवक का शव

(आधुनिक समाचार सेवा)
देवभूषण कन्नौजिया

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के रविंद्रपुरी कालोनी स्थित पदमश्री चौराहे के पास संदिग्ध परिस्थितियों में अनिल पटेल नामक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने से मौके पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई थी। जिसके बाद स्थानीय लोगो ने पुलिस को 112 नंबर पर सूचना देकर बुलाया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर पहुंचे युवक के पिता हनुमान पटेल ने बताया कि अनिल पटेल शराब का आदी था अनिल पटेल लंका स्थित बैंक ऑफ द बड़ौदा के पास गली में रहता था। भेलूपुर पुलिस का कहना कि युवक शराब आदि था और आए दिन शराब पीकर घूमता रहता था युवक श्री चौराहे के पास पढ़ा हुआ था सूचना के बाद पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम जांच पड़ताल में जुटी है।

रैली निकालकर दवाओं के मूल्य में हुई वृद्धि तत्काल वापस लेने की किया मांग सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की माँग को लेकर प्रदर्शन किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी। सरकार द्वारा आवश्यक दवाओं के मूल्य में भारी वृद्धि के खिलाफ लोक समिति व अधिकार अभियान से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों के साथ

असवारी व बीरभानपुर गाँव में विरोध प्रदर्शन किया। गाँव में रैली निकालकर लोगों ने सरकार से मूल्य वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की। इस अवसर पर प्रेरणा कला मंच के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गरीबो के स्वास्थ्य सम्बंधित हालात को उजागर कर लोगों को जागरूक किया।लोक समिति संयोजक नन्दलाल मास्टर ने कहा कि विगत दिनों राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने दर्द निवारक, विभिन्न संक्रमणों एवं हृदय, किडनी,अस्थमा, टीबी, संक्रमण, त्वचा, एनीमिया, डायबिटीज, रक्त चाप, एलर्जी, विषरोधी, खून पतला करने की दवा, कुष्ठ रोग, माइग्रेन, पार्किंसन, डिमेंशिया, साइकोथेरैपी, हामीन, उदर रोग आदि से सम्बन्धित लगभग 800 आवश्यक दवाओं के मूल्य को नए वित्तीय वर्ष में लगभग 11 प्रतिशत बढाने की संस्तुति दी है, जिसके बाद आज से दवाओं के दाम बढ़ेंगे।इस भारी वृद्धि से देश के आम आदमी पर बड़ा बोझ पड़ेगा. पैसे के आभाव में आम गरीब नागरिक इलाज नही करा पाएंगे। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने गरीबो का मुफ्त में इलाज व स्वास्थ पेंशन , स्वास्थ्य के अधिकार का कानून बनाने, स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ता सुलभ और बेहतर बनाने, स्वास्थ्य का बजट बढाने, हर गाँव में एम्बुलेंस सेवा आदि की माँग किया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से अनीता,सोनी,रामबचन, आशा, अजीत कुमार, रंजीत, संदीप, अजय पाल, गोविंदा, सशांक द्विवेदी, विजय प्रकाश, प्रमोद पटेल, शिवकुमार, सरोजा, अमित,पारस,अजय पाल, सौरभ, राजीता, रामबचन,सरोज,मुकेश झंझरवाल, अरविन्द, सुमन,चाँदनी,निशा,सुबाष आदि लोग शामिल रहे।

गद्य साहित्य की सबसे मनोरंजक विधा है जिसका लक्ष्य मानव जीवन की समस्याओं और संवदेनाओं को व्यक्त करना है

(आधुनिक समाचार सेवा)

नीना अन्दोत्रा पठानिया की कहानी संग्रह बिंदलू ऐसी 16 कहानियों का संग्रह है जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों की समस्याओं को पाठकों के समक्ष ना केवल रखती है अपितु पाठकों को चिंतन को विवश भी करती है। नीना की कहानियों में सीमा पर बसर करने वाले किसानों की व्यथा पर चिंता है तो समाज के दोहरे पुरूषगत चरित्र पर पीड़ा भी है। वह प्रेम और मानवीय संवदेना पर लिखती है तो किसी स्त्री को देह से इतर ना देखने की पुरूषों की मानसिकता पर प्रहार भी करती हैं। नीना एक कुशल चितेरे की भांति जब कहानी की रचना करती है तो सारे दृश्य आंखों के सामने किसी चलचित्र की तरह उभरने लगते है। अपनी कहानी

युद्ध में जब वह सुखवंत सिंह और उसके परिवार की पीड़ा का चित्रण करती है तो सरहद पर रोज-रोज की गोलीबारी से किसानों की सिसकियां आंखों के सामने उभर आती है। उनकी इस कहानी में सीमा पर बसने वाले उस समाज और क्षेत्र के प्रति चिंता है जो पड़ोसी राष्ट्र की नापाक हरकतों से रोज-रोज प्रभावित होती है लेकिन इस समस्या का समाधान दोनों ही राष्ट्रों के पास नहीं है। उनकी दूसरी कहानी वर्जिनिटी पुरूष प्रधान समाज की उस दोहरी और खोखली तस्वीर को प्रतिबिंबित करती है जहां एक पुरुष किसी स्त्री से तो विवाह के पूर्व कौमार्य की अपेक्षा रखता है परंतु वह स्वयं को इससे परे रखना चाहता है। आभासी दुनिया के प्रति समाज का नजरिया चंद मौकापरस्त लोगों की वजह से बेहद नकारात्मक रहा है परंतु लेखिका इस नकारात्मक दुनिया में प्रेम के नये आयाम ढूंढती है। अपनी रिक्तता को पूरी करने के लिए प्रांजलि और पुष्पेंद्र जैसे दो लोग जब इस आभासी दुनिया में मिलते है तो एक-दूसरे के किस तरह पूरक बन जाते है लेखिका ने अपनी कहानी अहसास की खुश्बू में बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। कहानी अधूरे जैसे इस कहानी का द्वितीय भाग होकर इस प्रेम कहानी को पूर्णता प्रदान करती है। इस कहानी संग्रह की एक अन्य महत्वपूर्ण कहानी बिंदलू है, जिस पर लेखिका ने अपनी कहानी संग्रह का नाम रखा है। इस कहानी को पढ़ते हुए यह कयास लगाना बेहद मुश्किल होता है कि जिस मामूली रोड एक्सीडेंट पर मुआवजे के लिए चंद लड़के विशाल को अगवा कर रहे है उसका इतना प्रेमिल अंत होगा। दादी के कमर पर बंधी हुई किशोरावस्था में प्रेमी की दी हुई बिंदलू जो कि स्त्रियों की मांग में सजाया जाने वाला आभूषण होता है, को जब विशाल को सौपती है तो कहानी का दृश्य भावुक हो जाता है। नीना की कहानियों में प्रेम सिर्फ एक आकर्षण मात्र नहीं है और ना ही यह देह की पिपासा को शांत करने की अभिलाषा है, बल्कि वह अपनी नायिका को संघर्ष के क्षणों में भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करती है। कहानी पगड़ी में नवतेज का अपनी पूर्व अध्यापिका निजता के प्रति लगाव में ऐसा ही कुछ सौंदर्य दिखायी देता है वहीं कहानी एफ-10 में मिसेज रोहिणी और मिस्टर हितेश बरसों बाद प्रौढ़ावस्था में अपने ही कंपार्टमेंट में जब अनायास मिलते है तो अश्रुओं की धार से अहसासें महक उठती है। जब लेखिका लिखती है कि रात, चुंबन बन रूही के होंठों पर हर गयी थी तो उस समय मन का हर कोना जैसे प्रेममय हो जाता है। नीना की कहानी स्पर्श और पहली किताब दोनों में ही में समाज में घटते हुये मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों के प्रति एक कहानीकार की चिंता है। जहां स्पर्श सुगंधि नाम की एक ऐसी स्त्री की कहानी है जो वैश्विक महामारी के दौर में अपने पति के खो देने के बाद घर से बेघर हो जाती है और उसकी सहायता के लिए बढ़ते हुए लाला जैसे लोगों के हाथ उसके देह से अपनी पिपासा शांत करने की अभिलाषा रखने लगते है। तो दूसरी ओर पहली किताब नर्तकी नाम की नवोदित लेखिका की कहानी है जो अपनी रचना के प्रकाशन के लिए प्रकाशक ढूंढ़ती है और प्रकाशक उसमें देह ढूंढता है। दोनों ही कहानी बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के समाज के खोखले नारे पर समाज के समक्ष कई प्रशन खड़ी करती है। नीना की प्रायः हर कहानियों में स्त्रियों के अहसासों और कोमल भावनाओं को उकेरने की चेष्टा दिखायी देती है। मां मै तुझे माफ नहीं कर पाउंगी जंगली फूल ऐसी ही कहानियां है। इस कहानी संग्रह में मुलाकात मन की पीड़ा, शास्त्री जी जैसी और कहानियां भी है जो कि लेखिका के कहानी प्रस्तुतीकरण की शैली का लोहा मानने को विवश करती है। ऐसा माना जाता है कि किसी लेखक की रचनाओं में उसके सामाजिक अथवा सांस्कृतिक परिवेश का बहुत हद तक समावेश होता है। नीना की कहानियों में भी कठुआ, जम्मू, रावी नदी, नुरपूर, पठानकोट,डल झील, कश्मीर की खूबसूरत वादियों का भरपूर जिक्र है और पाठक पढ़ते हुये इसकी खूबसूरती में खो जाता है। इस किताब की एक अत्यंत महत्वपूर्ण विशेषता लेखिका का कहीं भी अपना परिचय अथवा पूर्व की साहित्यिक उपलब्धियों का जिक्र ना करना है , जैसे वह इसके माध्यम से संकेतों में पाठकों से कहना चाहती हो कि मेरी इस किताब को मेरे परिचय अथवा पूर्व की साहित्यिक उपलब्धियों से नहीं बल्कि कहानियों की विषयवस्तु की कसौटी पर कसा जावे और लेखिका जैसे इस कसौटी पर खरी उतरती प्रतीत होती है। नीना की कहानियों में अमृता प्रीतम, कृष्णा सोबती और मन्नू भंडारी की झलक दिखायी देती है। पाठकों को उनकी पहली कहानी संग्रह पढ़ते हुये सहज रूप से आभास होगा कि नीना अन्दोत्रा पठानिया हिंदी साहित्य के गगन का आने वाले दशकों का ध्रुव तारा है। इस शानदार कहानी संग्रह के लिए उन्हे ढेर सारी बधाई और शुभकामनायें ।

किसी प्रधान के स्वास्थ, मान -सम्मान के लिए संगठन अंतिम दम तक सेवा भाव के साथ खड़ा रहेगा: राकेश सिंह

जिला ग्राम प्रधान संघ प्रतिनिधि मंडल ने अस्पताल पहुंच किया प्रधान परिजन को 70 हजार रुपये का मदद

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ। वाराणसी जनपद के बड़ागांव विकास खंड के स्थानीय बड़ागांव ग्राम प्रधान व पत्रकार घनश्याम गुप्ता के परिजनों को जिला ग्राम प्रधान संघ वाराणसी के जिलाध्यक्ष राकेश सिंह व जिला महामंत्री मधुवन यादव के नेतृत्व में

प्रधान संघ प्रतिनिधि मंडल हेल्थ सिटी अस्पताल काजिसराय आज रविवार को पहुंचकर 70 हजार रुपये की आर्थिक मदद की। उक्त अवसर पर जिलाध्यक्ष व जिला महामंत्री ने कहा कि किसी भी पत्रकार के स्वास्थ्य,मान-सम्मान के लिए संगठन अंतिम दम तक सेवाभाव के साथ खड़ा रहेगा। आगे भी संघ आर्थिक मदद करेगी। ज्ञातव्य हो कि प्रधान बडागांव घनश्याम गुप्ता 11 मार्च को ब्रेन हैमरेज होने के कारण हेल्थ सिटी हास्पीटल काजी सराय में जिंदगी और मौत के बीच उपचार चल रहा है।इस बात की जानकारी प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष राकेश सिंह व महामंत्री जिलाध्यक्ष को हुई। त्वरित निणय के साथ संघ के अन्य जिला व ब्लाक पदाधिकारी एवम सदस्यों के बीच बीमार चल रहे प्रधान की पतनी एवं उनके पुत्रों को सत्तर हजार रुपए की आर्थिक मदद किया इस अवसर पर जिला अध्यक्षव जिला महामंत्री ने कहा कि हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं की प्रधान शीघ्र स्वस्थ हो, और उनकी पतनी और बच्चों को आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा की संघ उपचार के लिए पैसों की कमी नहीं होने देगा।हम समय समय पर आर्थिक मदद करते रहेंगे साथ ही यु0 पी0 ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप लोगों ने इस नेक कार्य के लिए पहल किया साथ ही चिकित्सालय के प्रबंध निदेशक विनय सिंह,न्युरो सर्जन डॉ0 राकेश सिंह, डा0 सुनील सिंह डा0 प्रशांत सिंह समेत अन्य स्वास्थ्य कमिन्यों को प्रधान की जान बचाने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा आप सबकी मेहनत से वह शीघ्र ही स्वस्थ होंगे।इस दौरान मुख्य रूप से प्रधान संघ के जिला संरक्षक घनश्याम यादव, जिला महामंत्री मधुवन यादव,ब्लाक अध्यक्ष सेवापुरी नितिन सिंह,ब्लाक अध्यक्ष आराजी लाइन, मुकेश पटेल, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा, महामंत्री संजय यादव, कोषाध्यक्ष श्याम लाल चौहान,, संगठन मंत्री संतोष यादव, सुचना मंत्री आशीष कुमार, ग्राम प्रधान भिटकुरी बच्चा सिंह,प्रधान बनकट रामआसरे, नेवादा गगन सिंह,सिरिहिरा सोनू सिंह,गजापुर रामबाबू,रवि सिंह नोनौटी सहित यु0 पी0 ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राजातालाब तहसील अध्यक्ष सुजीत सिंह, आशीर्वाद गुप्ता, एवं संगठन के प्रांतीय महामंत्री आर पी सिंह,प्रदेश प्रवक्ता के0 एल0 पथिक, मण्डल अध्यक्ष दिनेश सिंह सहित कई पत्रकार उपस्थित रहे।

आजमगढ़ में युवक ने जीजा को बनाया साला, इस तरह बिहार के युवक ने लिया बहन को भगाने का बदला

आजमगढ़। जिले में ऐसी बदले की घटना सामने आई है कि पुलिस के सामने भी कार्रवाई को लेकर असमंजस की स्थिति पेश आ गई है। दरअसल, पहले बिहार निवासी एक युवक की बहन को दूसरा युवक भगा ले गया और गपुचुप शादी कर ली। इस बात को भाई किसी तरह पचा ले गया। इस मामले की कहीं भी शिकायत और कार्रवाई नहीं की। लेकिन, कुछ दिनों के बाद अपने जीजा की बहन को वह बदले में भगा ले गया और अब जीजा की तिलमिलाहट कुछ यों है कि वह अपनी बहन को वापस लाने के लिए थाने से लेकर हर चौखट पर बौखलाया कार्रवाई करने के लिए घूम रहा है। पूरा मामला आजमगढ़ में रानी की सराय कस्बे का है। जहां एक युवक की बहन को दूसरा युवक लेकर फरार हो गया और शादी कर ली। उसके खिलाफ युवती के भाई ने कोई कार्रवाई तो नहीं की, लेकिन ऐसा बदला लिया, जो कस्बे में चर्चा का विषय बन गया है। युवक ने बहन को भगाकर ले जाने वाले यानी उसके जीजा की बहन को भगाकर उससे शादी कर ली। इस तरह दोनों युवक आपस में जीजा और साला दोनों ही पद वाले हो गए हैं। इस बदले की कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में लोगों के बीच खूब चर्चा हो रही है। मामले की सूचना थाने में भी दी गई है, लेकिन पुलिस अब दोनों के वापस आने का इंतजार कर रही है। मामले की पोल तब खुली जब फरार युवती ने खुद फोन कर युवक की बहन को सूचना दी।

नेपाल के पीएम का हरहुआ क्षेत्र में हुआ अभिवादन

बाबतपुर -वाराणसी मार्ग पर भाजपा नेताओं,स्कूली बच्चों ,शिक्षकों ने नेपाल व भारत का झंडा लेकर जयघोष के साथ किया अभिवादन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। भारतीय संस्कृति के अनुरूप अतिथि देवो भवः नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा व उनकी पत्नी आरजू राणा देउबा तथा उनकी चालीस सदस्यीय डेलिगेट्स का स्वागत हरहुआ क्षेत्र

के गोकुलपुर स्थित सातोमहुआ हनुमानजी मंदिर ,गड़वा चौराहा,गोकुलधाम के समीप कतारबद्ध होकर दोनों हाथ मे भारत- नेपाल के झंडे को लेकर भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओ व स्कूली बच्चों,शिक्षकों ने अभिवादन किया ।स्वागत अभिवादन में प्रमुख रूप से विधायक टी0 राम, 'ब्लाक प्रमुख विनोद उपाध्याय , जिला कार्यसमिति सदस्य अजय मिश्रा,गौतम सिंह, सुरेश सिंह, प्रवीण ,मंडल अध्यक्ष विनोद सिंह, धनंजय सरोज, रविन्द्र सिंह गप्पू,प्रशांत सिंह चिंटू,विनोद पांडेय,रामाश्रय सिंह,रौनक जायसवाल,सीता राम पटेल,,शिवशंकर राय अरुणेंद्र सिंह,गगन चौबे,विजय वर्मा,आशीष राजभर,भगत यादव,आशुतोष सिंह, अखिलेश जायसवाल,सुजीत पटेल,सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे। स्कूली बच्चों में एस0आर0 प्लेटिनम इंग्लिश स्कूल बैजलपट्टी ,कम्पोजिट स्कूल हरहुआ, काजिसराय, के बच्चे-बच्चियों संग शिक्षकों ने सड़क के किनारे दोनों देशों का झंडा लेकर अभिवादन सहित मंगल गीत डमरू वादन व बंदेमातरम ,भारत माता की जयघोष हर हर महादेव के साथ अभिवादन किया। प्रमुख रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत सदस्य सुजीत सिंह 'डॉक्टर' प्रवीण कुमार, सुरेश सिंह, अवधेश सारथी,आर0 पी0 सिंह,अखिलेश कुमार सिंह, प्रीति सिंह, विजेता पांडेय, बीनू सिंह, जागृति सिंह,शिरोमणी देवी ,मानसी व आरती शामिल रहे। गोकुल धाम लान काजिसराय पर महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष विनीता सिंह ,जिला मंत्री स्वाति मिश्र सोनाली पांडेय विजय लक्ष्मी सिंह,सैकड़ो महिलाओं के साथ अभिवादन किया गया।

कुत्ता तो वफादार ही था, बस मालिक ही बेवफा निकल गया, पुलिस के प्रयास से बंद घर में कैद कुत्ते को आठ माह बाद मिली रिहाई

बलिया। जिले के बांसडीहरोड थाना क्षेत्र में रोचक घटना सामने आई है। जहां पशु प्रेम और पशु क्रूरता की कहानी एक साथ आठ माह तक घटित होती रही। अगर पड़ोसियों का एक जीव को बचाने के लिए संघर्ष सामने न आता तो शायद वफादार कुत्ते के नसीब में तड़प- तड़प कर मौत ही आती। पूरा मामला बलिया जिले के बांसडीहरोड का है, जहां कुत्ता पालने के शौकीन मकान मालिक ने घर बंद कर कुछ इस कदर घर से दूरी बना ली कि वहां कैद वफादारी के पर्याय पालतू जर्मन शेफर्ड श्वान 'जेनी' (कुतिया) तक को भुला दिया गया। अगर पड़ोसियों ने आठ माह तक उसे फेंककर भोजन और पानी न दिया होता तो वह कब का दर्दनाक तरीके से काल कवलित हो चुकी होती। पड़ोसियों ने जागरण को बताया कि अभिषेक पाल नाम का युवक अपने घर में इसको ले आया था। उसके पिता और वह भी बाहर ही रहते हैं। पिछली बार लगभग आठ माह पूर्व अभिषेक पाल घर में जर्मन शेफर्ड प्रजाति की कुतिया जेनी को ले आया और बाद में कब छोड़कर घर में ताला लगाकर चला गया पता ही नहीं चला। घर में कैद कुत्ते को देख मानवीय पहलू को ध्यान देते हुए आस पड़ोस के लोगों ने उसे रोटी और पानी के साथ अन्य प्रकार का भोजन देना शुरू कर दिया गया। मगर, पर्याप्त पोषण के अभाव में जब उसकी स्थिति दयनीय हो गई तो लोगों की पहल के साथ पुलिस ने सक्रियता दिखाई और जेनी को आजाद कराया। स्थानीय लोगों के अनुसार अभिषेक पाल पुत्र रामनाथ पाल निवासी रघुनाथपुर (बेला) थाना बांसडीहरोड बलिया घर पर अकेले रहता था। जबकि उसका पूरा परिवार अन्यत्र दूसरे प्रान्त में रहता है। अभिषेक ही आठ माह पूर्व जेनी को छोड़कर चला गया था। पड़ोसियों से संपर्क न रहने की वजह से अन्य कोई जानकारी अभी तक पड़ोसियों और पुलिस के पास तक नहीं है। आठ माह से अकेलेपन और अपनों की बेरुखा की शिकार श्वान को आखिरकार रविवार को आजादी नसीब हुई। क्षेत्र के रघुनाथपुर (बेला) में पशु प्रेम व क्रूरता की अजीब स्थिति में लिपटी तस्वीर देखकर पुलिस भी दंग रह गई। जब पुलिस ने आठ माह से एक अहाते में बंद जर्मन शेफर्ड कुत्ते को लोगों के प्रयास से आजाद कराया तो जेनी ने आठ माह के बाद इंसानों को करीब से देखा। ताला टूटते ही पोषण के अभाव में जीर्णशीर्ष हो चुकी जेनी ने लोगों को देखकर आतुरता दिखाई और आजाद होने के बाद अपना स्नेह सभी को चाटकर प्रदर्शित किया।

विधायक पिण्डरा के नेतृत्व में नेपाल के प्रधानमंत्री का भब्य स्वागत

(आधुनिक समाचार सेव)
देवभूषण कन्नौजिया

वाराणसी । नेपाल के प्रधानमंत्री श्री शेरबहादुर देउबा जी के काशी आगमन पर लालबहादुर शास्त्री एयरपोर्ट बाबतपुर में पिण्डरा विधायक डॉ. अवधेश सिंह के नेतृत्व में ढ़ोल-नगाड़ो को बजाकर एवं पुष्पवर्षा कर भब्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सैकड़ो की संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ, पदाधिकारीओ में उत्साह का माहौल रहा। जैसे ही काफिला कार्यकर्ताओ के बीच से गुजरा भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा हर हर महादेव के उदघोष के साथ नेपाल के प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउबा एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया गया। उपस्थित जिलाउपाध्यक्ष पवन सिंह, जिलामहामंत्री डॉ. जे पी दुबे,प्रदीप मंगारी,दीपक सिंह, संदीप सिंह, झगडू मिश्रा, फौजदार, संजय, प्रशांत सिंह,राजू सिंह, डब्बा

सिंह इलाका, मण्डल अध्यक्ष सिंधोरा सर्मेश सिंह, पिण्डरा मनीष पाठक, कठिरांव अजय पटेल जी,जिलापंचायत सदस्य अरुण सिंह बिननी,संतोष सिंह सिंह,दिनेश सिंह नेवादा,संदीप राय, डॉ. शिवा,मनीष सिंह,देवप्रकाश दुबे, फैजान शेख,अवधेश माली,अतुल रावत बेलवाँ सहित कार्यकर्ता व गणमान्य रहे।

ब्रत में सावधानी रखे गर्भवती महिलाएं डा संध्या यादव, पूर्व सीनियर रेजिडेंट आई एम एस, बी एच यू एवं मुख्य चिकित्सक, जे पी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो गई है और चारों ओर मां की भक्ति का माहौल है अगर गर्भवती महिला नवरात्र के दौरान व्रत रखना चाहे तो उसे अत्यंत सावधानी बरतने की आवश्यकता है। व्रत के दौरान इसका प्रभाव केवल मां पर ही नहीं अपितु होने वाली संतान पर भी पड़ता है। पहली तिमाही में गर्भवती महिला व्रत न रखे तो अच्छा होगा क्योंकि लंबे समय तक भूखा रहने पर जी मिचलाना एवम् उल्टी की समस्या हो सकती है। साथ ही तीसरी तिमाही में व्रत के साथ चक्कर आने का खतरा हो सकता है। गर्भवती महिला को यदि कोई अन्य संक्रमण है तो

वो व्रत ना रखे। व्रत के दौरान गर्भ में भ्रूण की हलचल पर ध्यान दें तथा कुछ परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टरी परामर्श लें। पूरी तरह स्वस्थ्य गर्भवती महिला को ही नवरात्र का व्रत रखना चाहिए। गर्भावस्था में महिला का शरीर पूरा पोषण चाहता है और ऐसे में उसे संतुलित आहार की आवश्यकता होती है। ज्यादा तली भूनी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। व्रत के दौरान गर्भवती महिला को हर दो घंटे में कुछ ना कुछ पौष्टिक चीजें (फल, दूध एवम् सूखे मेवे) का सेवन करना चाहिए। साथ ही अधिक से अधिक पानी और नारियल पानी का सेवन करे। उचित होगा कि व्रत रखने से पूर्व गर्भवती महिला को चिकित्सक की भी सलाह ले लेनी चाहिए।

दुद्धी में तैनात हुई दमकल की टुकड़ी

दुद्धी (सोनभद्र)। आग लगने की घटना से निपटने के लिए तहसील मुख्यालय पर अब फायर सर्विस की टुकड़ी तैनात हो गई है। इस बाबत दैनिक जागरण के 31 मार्च के अंक में अगलगी से निपटने को दुद्धी में कोई इंतजाम नहीं शीर्षक से खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी। तहसील प्रशासन की मांग पर जिला प्रशासन ने एक टुकड़ी को अस्थाई तौर पर मंडी समिति परिसर में तैनात किया। इससे तहसील मुख्यालय एवं आसपास की करीब तीन लाख से अधिक आबादी को आपात स्थिति में त्वरित लाभ मिलेगा। प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने जिला प्रशासन का आभार जताते हुए यहां स्थाई तौर पर फायर सर्विस का इंतजाम करने की मांग की। इस बाबत नगर पंचायत चेयरमैन राजकुमार अग्रहरि, दुद्धी बार एसोसियेशन के अध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव, सिविल बार के इल्डर कमेटी के चेयरमैन रामलोचन तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश अग्रहरि समेत तमाम अन्य लोगों ने अपनी मांग प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से उठाई थी। जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने कारगर पहल की। दैनिक जागरण में खबर प्रकाशन के दूसरे ही दिन तहसील मुख्यालय पर फायर सर्विस की एक टुकड़ी को मय दमकल के साथ दुद्धी भेजा गया। अब क्षेत्र में कही कोई अगलगी की घटना घटित होती है तो 112 के साथ प्रभारी निरीक्षक दुद्धी के मोबाइल 9454404276 पर काल कर सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

भाई के सिर पर सेहरा बंधने से पहले ही छोटे भाई की सड़क हादसे में मौत

मीरजापुर। बड़े भाई के सिर पर सेहरा बंधने से पहले ही छोटे की भाई की शनिवार की शाम देहात कोतवाली क्षेत्र के इटवां गांव के पास सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना की खबर लगते ही स्वजन रोते बिलखते मौके पर पहुंचे। मां से लेकर बड़ा भाई तक युवक के शव से लिपट कर रोने लगे।

अधिवक्ताओं ने पदमश्री पुरस्कृत लोक गायिका को किया सम्मानित

मीरजापुर । पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कजली लोक गायिका अजीता श्रीवास्तव को डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने सम्मानित किया।

बार अध्यक्ष जटाधर द्विवेदी ने करते हुए कहा कि यह जिले के लोगों के लिए बड़े ही गर्व की बात है कि उनके यहां की एक लोक गायिका को पद्मश्री पदक से सम्मानित किया गया। ऐसा सम्मान बहुत की कम लोगों को मिलता है। इस दौरान सभी अधिवक्ताओं ने उनका माल्यार्पण कर उनको मां विध्यवासिनी की प्रतिमा व अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। अधिवक्ताओं ने कहा कि उन्होंने न सिर्फ अपना बल्कि जनपद का नाम भी देश-विदेश में रोशन किया है। कार्यक्रम का संचालन सचिव रामसागर सरोज ने किया। इस दौरान आनंद स्वरूप श्रीवास्तव, रामकृष्ण द्विवेदी, रतन मिश्रा, सुरेश त्रिपाठी, शालू तिवारी, जगत नारायण मिश्रा, रमेंद्र कुमार शुक्ला, विमल चंद यादव, हरिलाल बिद , सुनीता, सुमन, आलिया बानों, पूजा आदि रहे।

लेखपाल पर कार्रवाई से तहसील में मचा हड़कम

राजगढ़ (मीरजापुर)। क्षेत्र के सेमरी गांव में साढ़े तीन बीघा जमीन एससी लेखपाल द्वारा पिछड़ी जाति का बनकर एक पिछड़ी जाति की महिला लेखपाल के पति को बेच दिया था। मामला प्रकाश में आने पर तहसीलदार द्वारा की गई जांच रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम ने जमीन विक्रेता लेखपाल को निलंबित कर दिया। एसडीएम की कार्रवाई से तहसील कर्मियों में हड़कम मच गया। क्षेत्र के सेमरी गांव में साढ़े तीन बीघा जमीन एससी लेखप मड़िहान तहसील में कार्यरत लेखपाल अजय कुमार सेमरी गांव में हल्का लेखपाल के पद पर नियुक्त किये गए थे। इस दौरान लेखपाल औने पौने दाम पर सेमरी गांव में जमीन खरीद लिया था। कुछ दिनों बाद हल्का बदलने पर तहसील में कार्यरत लेखपाल मधु यादव के पति को जमीन बेच दी। मामला प्रकाश में तब आया जब जमीन रजिस्ट्री का दस्तावेज तहसीलदार न्यायालय में खारिज दाखिल के लिए पहुंचा। जमीन क्रेता व बिक्रेता दोनों उसी तहसील में कर्मचारी होने से तहसीलदार नूपुर सिंह को दोनों के जाति के बारे में पहले से ही पता था, लेकिन मजे की बात यह है कि सेमरी गांव का वर्तमान हल्का लेखपाल सबकुछ जानते हुए भी दाखिल खारिज की रिपोर्ट दे दिया। इससे तहसीलदार द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने पर संतोषजनक जवाब नहीं आया। तहसीलदार की रिपोर्ट पर एसडीएम मड़िहान सिद्धार्थ यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लेखपाल अजय कुमार को निलंबित कर कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया।

जयश्रीराम के उद्घोष के बीच निकली श्रीराम की शोभायात्रा

चुनार (मीरजापुर) । विहिप प्रखंड नरायनपुर व जमालपुर की ओर से रविवार को भारतीय नव वर्ष के अवसर पर भगवान श्रीराम लक्ष्मण व माता सीता की झांकी के साथ

विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा नरायनपुर बाजार भगवा रंग के झंडों और बैनर से पट गया था। साथ में जय श्रीराम का नारा लगाते हुए लोग चल रहे थे। शोभा यात्रा में भगवान श्रीराम का विशाल कट आउट लोगों को आकर्षित कर रहा था। घोड़े पर सवार राम भक्त काफी आकर्षक लग रहे थे। शोभा यात्रा के पूर्व मंचासीन पदाधिकारियों को अंग वस्त्रम के साथ सम्मानित किया गया। शोभायात्रा पटेल त्रिमोहानी नरायनपुर से चलकर मोटर मंडी ,सब्जी मंडी ,भीतरी बाजार ,बैकुण्ठपुर ,भभुआर ,रैपुरिया, शेरपुर से होते हुए पटेल त्रिमोहानी पर समापन हुआ। इस मौके पर राजू यादव, सुमित जायसवाल, मिथिलेश पाठक, गोविंद शंकर ओझा, प्रमोद गिरी, मनीष अग्रहरि, पार्वती देवी, अनुपमा सेठ आदि रहे। सीखड़ : विहिप युवा वाहिनी व बजरंग दल के तत्वावधान में शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली गई। शोभा यात्रा में श्रीराम जानकी के स्वरूप विराजमान थे। सैकड़ों की संख्या में भक्त माथे पर केसरिया गमछा बांधे, हाथों में भगवा ध्वज लिए जय श्रीराम के नारा लगाते हुए चल रहे थे। शोभा यात्रा विदापुर स्थित हनुमान मंदिर से चलकर पाहो, खैरा, मंगरहा, खानपुर, मुंदीपुर, मेड़िया, चौधरीपुर होते हुए अदलपुरा पहुंची। इस दौरान सत्यप्रकाश सिंह, आशीष पाठक, अमरेश केसरी, विनय दुबे आदि थे। रामनवमी शोभायात्रा की तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता हलिया : क्षेत्र के ब्लाक रोड़ स्थित त्रिलोकी अग्रहरि के आवास पर रामनवमी के उपलक्ष्य में हलिया बाजार में निकलने वाली शोभायात्रा की तैयारी को लेकर प्रधान संघ अध्यक्ष शिवबाबू सेठ की अध्यक्षता में बैठक हुई।

चंद्र विजय सिंह बने 39 वें जिलाधिकारी कार्यभार संभाला

सोनभद्र। वर्ष 2012 बैच के आईएएस चंद्र विजय सिंह जिले के 39 वें जिलाधिकारी बने हैं। रविवार को उन्होंने जिला कोषागार में विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। चंद्र विजय सिंह इसके पूर्व मध्यांचल विद्युत वितरण निगम में प्रबंध निदेशक पद पर कार्यरत थे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद नए डीएम ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाईं। कहा कि जिले में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने के कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी।जन समस्याओं का निस्तारण नियमानुसार किया जाएगा। विकास परक कार्यक्रमों, जन कल्याणकारी योजनाओं, लाभार्थीपरक स्कीमों को।

पर्यावरण के साथ दीर्घकालिक खनन

अनपरा (सोनभद्र)। एनसीएल वित्त वर्ष 2021-22 में उत्पादन व प्रेषण समेत सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण, दीर्घकालिक खनन, कंपनी वित्त वर्ष से 17 मिलियन टन अधिक 125.66 मिलियन टन कोयला प्रेषण करने पर प्रसन्नता जाहिर की। बताया कि कंपनी ने वर्ष 2021-22 में कुल प्रेषण का 82

की आगामी एफएमसी परियोजनाओं तथा स्थानीय समाज के हितों के मुद्दों पर बेहतर कार्य हुआ है। मीडिया से वार्ता में सीएमडी भोला सिंह ने बताया कि प्रदूषण के प्रमुख श्रोतों को पहचानने व उसे नियंत्रित करने की दिशा में कंपनी निरंतर सक्रिय है। कहा कि एनसीएल नौ एफएमसी परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। जो वर्ष 2023-24 में पूरा होने के बाद सड़क मार्ग से कोयला परिवहन में भारी कमी आएगी। सीएमडी ने वर्ष 2021-22 के लिए निर्धारित लक्ष्य 119 मिलियन टन के सापेक्ष 122.43 मिलियन टन उत्पादन तथा पिछले फीसदी कोयला रेल, एमजीआर और बेल्ट पाइप कन्वेयर के माध्यम से भेजा है। कंपनी से संबद्ध सभी बिजली घरों के पास पर्याप्त कोयला उपलब्ध है। एनसीएल वृक्षारोपण, ब्लास्टिंग रहित उत्पादन तकनीक के उपयोग, तय मानकों के अनुसार सुरक्षित ब्लास्टिंग, कंपनी की विस्थापन योजना, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा दे रहा है। कहा कि एनसीएल ने सीएसआर के तहत सिंगरौली में माइनिग कालेज की स्थापना के लिए 75 करोड़ फंड का प्रावधान किया है। इस दौरान निदेशक डा. अनिद्य सिन्हा, राम नारायण दुबे, एसएस सिन्हा समेत मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मर जलने से विद्युत आपूर्ति ठप

सोनभद्र। चतरा ब्लाक के रामगढ़ कस्बे में लगा 100 केवीए का ट्रांसफार्मर शनिवार की शाम से बंद कर दिया गया। इससे उपभोक्ताओं को भीषण गर्मी में परेशानी झेलनी पड़ रही है। रामगढ़ कस्बे में रामगढ़- कसारी मुख्य तिराहे पर पेट्रोल पंप के पास 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा है। उपभोक्ता राम प्रवेश चौबे, बृजेश सिंह, रुपेश केसरी, शिवपूजन सेठ, छोटू, महेंद्र सिंह, दीना केसरी, लक्ष्मन विश्वकर्मा, घनश्याम पांडेय, राजकुमार केसरी, भारत सिंह समेत अन्य ने बताया कि ट्रांसफार्मर फेल होने से इस भीषण गर्मी में परेशानी झेलनी पड़ रही है। उपभोक्ताओं ने बताया कि एक तो पूरे दिन में विद्युत आपूर्ति के दौरान कई बार रोस्टिंग में चले जाने से निर्बाध विद्युत आपूर्ति नहीं हो रहा है। वही ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आ जाने से और भी समस्या खड़ी हो गई है। रामगढ़ कस्बे में लोड को देखते हुए चार-पांच जगहों पर विभाग द्वारा 100 केवीए के ट्रांसफार्मर लगवा कर उपभोक्ताओं को बिजली देने की सहूलियत की गई है। रामगढ़-कसारी मुख्य तिराहे पर लगे ट्रांसफार्मर से बीते कई सप्ताह से धुआं आदि निकलते देखा जा रहा था कि बीते शनिवार अचानक से ट्रांसफार्मर में खराबी हो जाने के कारण लगभग दर्जनों घरों की बिजली गुल हो गई है। उक्त ट्रांसफार्मर से पास में ही इंडियन बैंक शाखा रामगढ़, पेट्रोल पंप व कई पावर कनेक्शन उपभोक्ताओं ने लिया है। समय रहते अगर दुरुस्त नहीं किया गया तो बैंकिग उपभोक्ताओं समेत अन्य सभी को समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उपभोक्ताओं ने विभाग के उच्चाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अविलंब ट्रांसफार्मर को दुरुस्त कराए जाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा स्कूल चलो अभियान का सीधा प्रसारण किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

चुर्क (सोनभद्र)। सरकारी स्कूलों में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन हो इसके लिए चार अप्रैल से स्कूल चलो अभियान चलाया गया है अभियान का शुभारंभ सीएम योगी श्रावस्ती जिले से किए।जिसका सीधा प्रसारण विकास खंड राबर्ट्सगंज के कम्पोजिट विद्यालय चरका टोला मुसही मे किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी मुख्य विकास अधिकारी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा मां सरस्वती के मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी खंड शिक्षा अधिकारी रमाकांत राम के द्वारा राबर्ट्सगंज ब्लाक अन्तर्गत मुसही स्कूल मे एलसीडी और इंटरनेट की व्यवस्था किया गया था। जहां पर मुख्यमंत्री द्वारा स्कूल चलो अभियान का सीधा प्रसारण देखने की संपूर्ण व्यवस्था कराई गई थी।तथा यहां पर आए हुए अध्यापकों में शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च कार्य करने वाले अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं को एवं इस स्कूल चलो अभियान के कार्यक्रम को सफल बनाने में

सहयोगी प्रधानों में कुरा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र बाल्मीकि एवं हिन्दूवारी के ग्राम प्रधान को जिलाधिकारी के द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं जिले के बिद्यालयो में सबसे ज्यादा अंक अर्जित करने वाले बच्चों को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित भी किया गया। स्कूल चलो अभियान में शामिल जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका देवी, जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अमित पाल शर्मा, दुद्धी बिधायक रामदुलारे गोंड़, सदर बिधायक भूपेश चौबे ,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी खण्ड शिक्षा अधिकारी रमाकांत राम , जिले के कईयों प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाएं एवं छात्र उपस्थित रहे।

सोनांचल में बनेगा गौ अभ्यारण,बेसहारा पशुओं को मिलेगा आश्रय

सोनभद्र। बेसहारा पशुओं को आश्रय देने के लिए जनपद में 100 हेक्टेयर भूमि पर गौ अभ्यारण बनेगा। इसको लेकर विभागीय हलचल तेज हो गई है। इसके अधिकारी संभावित आदेश को लेकर जमीनी कवायद शुरू कर दी है। योगी आदित्यनाथ के दोबारा मुख्यमंत्री बनते ही बेसहारा पशुओं के बेहतर देखभाल के लिए सकता है। जहां अधिक क्षमता है वहां पर पशु पकड़े नहीं जा रहे हैं। इन समस्याओं को लेकर अब ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त बनाया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एके श्रीवास्तव ने बताया कि जल्द ही इसका आदेश आ सकता है। बताया कि जिले में 18 गौ आश्रय केंद्र और एक वृहद गौ संरक्षण केंद्र हैं। अभी तक पशुपालन व अन्य विभाग के साथ ग्राम पंचायतें इसकी जिम्मेदारी संभालते थे लेकिन अब ग्राम पंचायत इनकी देखरेख करेगी। 18 केंद्र स्थापित, आठ संचालित जनपद में 18 पशु आश्रय स्थल स्थापित किए गए है। वर्तमान समय में महज आठ पशु आश्रय स्थल संचालित हो रहे हैं, जिसमें 2344 पशुओं की देखभाल किया जा रहा है। सीबीओ ने बताया कि जिन आश्रय स्थल को बंद किया गया हैं वहां पर बचे हुए पशुओं को संबंधित मालिकों को सौंप दिया गया है, जिनकी देखभाल के लिए प्रतिदिन 30 रुपये के हिसाब से पैसे का भुगतान किया जाता है। बयान जनपद में बेसहारा पशुओं को आश्रय देने के लिए करीब 100 हेक्टेयर जमीन पर गौ अभ्यारण बनाने पर शासन स्तर पर मंथन चल रहा है। आदेश मिलते ही इसपर जमीनी कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इसके अलावा ग्राम पंचायतों को अस्थायी आश्रय स्थल की पूरी जिम्मेदारी देने पर भी काम किया जा रहा है।

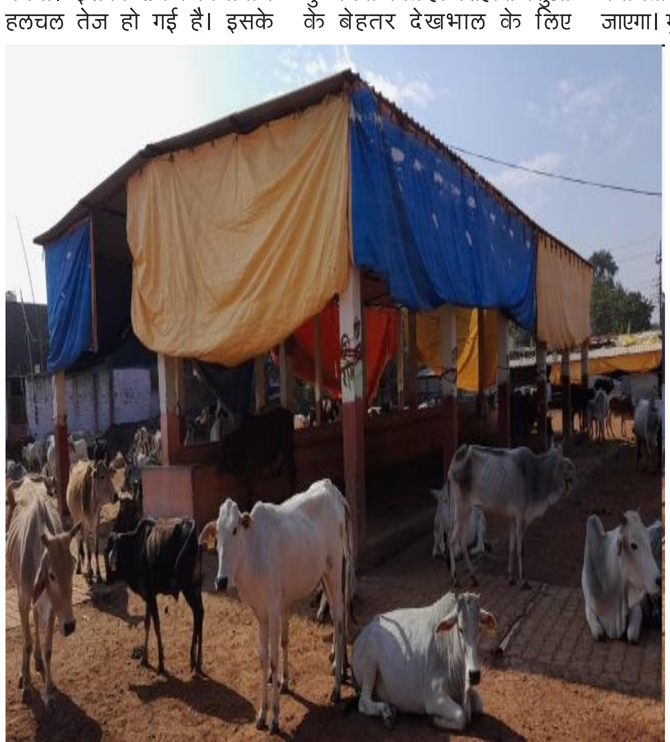

अलावा न्याय पंचायत स्तर पर भी गौशाला बनाने को लेकर भी रणनीति पर काम चल रहा है। वर्तमान समय में जनपद में 18 गौ आश्रय स्थल संचालित हैं। को लेकर कवायद तेज हो गई है। जिले में किस स्थान पर यह गौ अभ्यारण बनाया जाएगा, अभी इसको लेकर विमर्श का दौर चल रहा है। विभागीय प्रशासनिक अमला पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। ग्राम पंचायतों को मिलेगा विशेष अधिकार बेसहारा पशुओं की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए ग्राम पंचायतों को विशेष अधिकार देने पर काम चल रहा है। जिले में गौशालाएं तो हैं लेकिन क्षमता कम होने से सभी पशुओं को इसमें रखा नहीं जा

किसानों के लिए मील का पत्थर बायोटेक योजना

(सोनभद्र)। करमा ब्लाक के लोहर गांव के दयाशंकर सिंह कुशवाहा महाविद्यालय परिसर में रविवार को किसान मेला व कृषि प्रदर्शनी

का आयोजन हुआ। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलाधिपति एवं फार्ड फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. पंजाब सिंह, पूर्व संकाय प्रमुख डा. ऋषि मुनि सिंह (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय), डा. एसआर सिंह, डा. मोहम्मद असलम के अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. सुधांशु सिंह व भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. टीके बेहरा आदि ने किसानों को संबोधित किया। उद्घाटन मुख्य अतिथि डा. मोहम्मद असलम ने फीता काट कर किया। डा. टीके बेहरा ने किसानों को बायोटेक परियोजना के विषय मे जानकारी दी। कहा कि यह योजना किसानों के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। परियोजना के माध्यम से किसान की आय दोगुनी हो रही है। किसान बकरी पालन, मत्स्य पालन एवं अन्य उद्द्योग से जुड़ के आय प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान किसान फेलोशिप अवार्ड के लिए सोनभद्र एवं वाराणसी के 10-10 चयनिय किसानों को दस हजार रुपये व कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र दिया। आठ किसानों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। सोनभद्र से विद्यापति मौर्य व वाराणसी से सुभाष चंद्र पटेल ने अपनी कृषि तकनीकी के विषय में जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने वैज्ञानिकों व किसानों का अभिनंदन किया। फॉर्ड फाउंडेशन को बधाई देते हुए कहा कि योजना आगामी तीन साल के लिए बढ़ाई जा रही है। किसान और सशक्त बनेंगे। चंदौली के कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डा. पीके सिंह, डा. नरेंद्र रघुवंशी, डा. एसपी सिंह ने मेले में स्टाल लगाकर भागीदारी की। सोनवैली कृषक उत्पादक संगठन के निदेशक सत्य प्रकाश पांडेय, विनोद पांडेय, रामनाथ, रघुनाथ आदि मौजूद रहे।

भीषण गर्मी व विद्युत कटौती से विद्युत उपभोक्ता त्रस्त

सोनभद्र। सब स्टेशन शाहगंज मे पिछले दो दिनों से दिन भर बिजली कटौती से कस्बे सहित ग्रामीणों का हाल बेहाल है, जबकि यूपी बोर्ड की परीक्षाएं भी चल रही हैं। अत्यधिक गर्मी पड़ने व लगातार बिजली कटने से छात्रों के परीक्षा तैयारी में भी परेशान उत्पन्न हो रही है। उपभोक्ता ईश्वरी प्रताप पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि विद्युत विभाग अपने कार्यों को सही तरीके से पूर्ण न कर पाने के कारण कभी गेहूं में आग लगने का बहाना, कभी तेज हवाओं को चलने का बहाना बताकर बिजली काट दे देते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं के सामने समस्या उत्पन्न हो जाती है और व्यापारी वर्ग भी इससे अपने व्यवसाय को सुचारू ढंग से नहीं कर पाता। दिनभर विद्युत कटौती से व्यवसायिक कार्य बाधित होते हैं क्योंकि व्यवसायिक कार्य दिन में ही है। अधिकतर मजदूरों व वर्करों के द्वारा कराए जाते हैं। इस प्रकार से बिजली कटौती से उनके व्यवसाय पर भी असर पड़ प्रतिकूल असर पड़ रहा है। विद्युत उपभोक्ता पंकज कुमार सिंह ने बताया कि विद्युत तार राजपुर गांव के पास बडागांव, सिकरी सड़क, संपर्क मार्ग पर महज जमीन से सात फीट ऊपर लटक रहा है, जिसमें 11000 का विद्युत प्रवाह हो रहा है। उससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना भी घट सकती है। लिहाजा विद्युत विभाग अपने कार्यों को करने के बजाए छिपाने के लिए बिजली कटौती कर अपने कार्य पर पर्दा डाल देती है।

हत्या की रिपोर्ट न लिखने का आरोप

गोविदपुर (सोनभद्र) । म्योरपुर थाना क्षेत्र के मधुबन गांव निवासी सतीश पुत्र लालमन ने पुलिस पर मां की हत्या की प्राथमिकी दर्ज न करने का आरोप लगाया है। उसने दुद्धी विधायक, डीएम व एसपी को पत्र देकर आरोप लगाया कि पुलिस ने महुआ के पेड़ से लटकते मिली मां राजमतिया के शव को हत्या की जगह आत्महत्या का स्वरूप देने का कार्य किया है। इसकी जांच कराकर हत्या का मामला दर्ज कराने की गुहार लगाई। मधुबन निवासी राजमतिया पतने लालमन का शव महुआ के पेड़ से लटकता मिला था। स्वजन का आरोप था कि कुछ लोगों से उनका भूमि व महुआ के वृक्ष को लेकर विवाद चल रहा था। पुत्र का कहना है कि मेरी मां रात दो बजे महुआ बिनने अकेली गई थी, जिसका लाभ उठाते हुए विपक्षियों ने उनकी हत्या की है।

दुद्धी में बजरंगियों ने किया शौर्य का प्रदर्शन

दुद्धी (सोनभद्र) । तहसील मुख्यालय एवं आसपास के गांवों में संचालित जय बजरंग अखाड़ा समिति के अखाड़ों के बजरंगियों ने शनिवार की रात संकटमोचन मंदिर के सामने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। मौका था एकम के जुलूस के दौरान झंडा मिलान का। मुख्य चौक पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नगर के अलावा आसपास के गांवों के भी दर्जनों अखाड़ों के लोगों ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। तहसील मुख्यालय पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पीएसी के साथ भारी संख्या में पुलिस जवानों को चप्पे चप्पे पर लगाया गया था।जय बजरंग अखाड़ा समिति के केंद्रीय अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रहरि की अगुवाई में परपंरागत निकलने वाली एकम की जुलूस रात करीब आठ बजे निकला। जेबीएस के लोग बजरंगी झंडे के साथ मुख्य सड़क पर निकल पड़े। हाथ में लाठी, डंडा, तलवार, भाला आदि युद्ध अस्त्र शस्त्र के साथ सड़क पर ढोल, नगाड़ा की धुन पर लोग शौर्य का प्रदर्शन करते हुए मुख्य चौक पर पहुंचे। वहां रामनगर, वार्ड संख्या दो, मल्देवा समेत विभिनन अखाड़ों के लोगों ने शौर्यता के साथ झंडों का मिलान कराया। इस मौके पर चेयरमैन राजकुमार अग्रहरि, प्रदीप कुमार कसेरा, धीरेंद्र कुमार, सुरेंद्र गुप्ता, सुरेंद्र अग्रहरि, वरुण जौहरी, मोनू सिंह, आलोक कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

चेन्नई की लगातार हार के बाद अंक तालिका में हुआ बदलाव, टाप पर है ये टीम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में अब हैदराबाद को छोड़कर सभी टीम 2 या इससे अधिक मैच खेल चुकी है। इस खाते में 4 अंक हैं लेकिन उसने तीन मैच खेलने के बाद यह अंक अर्जित किए हैं। इस टीम ने पहले मुकाबले में चेनन्ई को हराया था तो वहीं पर पहुंच गई है। दिल्ली की टीम अब पांचवें नंबर पर खिसक गई है। छठे स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ही जिसका

बार मुकाबला 10 टीमों के बीच है इसलिए मैचों की संख्या भी अधिक है। रविवार को खेले गए एक मात्र मुकाबले में चेन्नई की टीम को पंजाब के खिलाफ करारी हार मिली। इस मैच के बाद अंक तालिका में बदलाव आया है। राजस्थान की टीम अब भी 2 मैचों में 2 जीत दर्ज कर टाप पर बनी हुआ है। राजस्थान ने पहले मैच में हैदराबाद को जबकि दूसरे मैच में मुंबई को हराया। दूसरे नंबर पर कोलकाता की टीम है जिसके आरसीबी के खिलाफ हार का सामना किया था। तीसरे मैच में पंजाब की टीम को हराकर दो अंक हासिल किए थे। तीसरे स्थान पर दो मैच में दो जीत हासिल करने वाली गुजरात की टीम है। इस टीम ने पहले मैच में पहली बार सीजन में उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स को हराया था तो वहीं दूसरे मैच में दमदार मानी जाने वाली दिल्ली कैपिटल्स को मात दिया। रविवार को चेनन्ई के खिलाफ जीत के बाद पंजाब की टीम चौथे स्थान सामना सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के साथ होना है। सातवें नंबर पर दो मैच के बाद एक जीत हासिल करने वाली बैंगलोर की टीम है तो आठवां स्थान 5 बार की चैंपियन इस सीजन जीत का खाता खोलने की तलाश में मुंबई की टीम है। वहीं चार बार खिताब जीतने वाली चेनन्ई की टीम 9वें नंबर पर है तो हैदराबाद की टीम सबसे नीचे आखिरी पायदान पर है।

चेन्नई की लगातार तीसरी हार, नहीं चल रहा रवींद्र जडेजा की कप्तानी का जादू

नई दिल्ली। चेनन्ई सुपर किंग्स का सामना इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के 11वें लीग मुकाबले में पंजाब किंग्स के साथ मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में हुआ। इस मैच में सीएसके टीम के कप्तान रवींद्र जडेजा ने टास जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पंजाब किंग्स ने पहली पारी में लियाम लिविंगस्टोन की अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में 8 विकेट पर 180 रन बनाए और सीएसके को जीत के लिए 181 रन का लक्ष्य दिया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम ने पंजाब के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए और 18 ओवर में 126 रन पर ही सिमट गई। इस तरह से पंजाब को 54 रन से जीत मिली तो वहीं आइपीएल के इस सीजन में ये सीएसके टीम की लगातार

तीसरी हार साबित हुई। सीएसके के नए कप्तान रवींद्र जडेजा का जादू इस सीजन में अब तक तो नहीं दिखा है। पंजाब की ये दूसरी जीत है और चार अंक के साथ ये टीम अंकतालिका में चौथे नंबर पर है तो वहीं सीएसके अपने तीनों मैच हारकर नौवें नंबर पर है। पंजाब के खिलाफ चेन्नई की शुरुआत बेहद खराब रही और रितुराज गायकवाड़ सिर्फ एक बनाकर आउट हो गए। वहीं दूसरे ओपनर बल्लेबाज राबिन उथप्पा 13 रन पर वैभव अरोड़ा की गेंद पर आउट हुए। मोइन अली को शून्य पर वैभव अरोड़ा ने आउट किया तो वहीं कप्तान रवींद्र जडेजा भी बिना खाता खोले ही अर्शदीप सिंह की गेंद पर आउट हो गए। अंबाती रायुडू 13 रन बनाकर स्मिथ की गेंद पर कैच आउट हो गए। शिवम दूबे ने 30 गेंदों पर 3 छक्के व 6 चौकों की मदद से 57 रन की पारी खेली और लिविंगस्टोन की गेंद पर आउट हुए। ब्रावो भी शून्य पर लिविंगस्टोन की गेंद पर आउट हो गए। प्रिटोरियस को राहुल चाहर ने 8 रन पर कैच आउट करवा दिया। एम एस धौनी ने 23 रन बनाए और राहुल चाहर की गेंद पर आउट हो गए। पंजाब की तरफ से वैभव अरोड़ा और लिविंगस्टोन ने दो-दो जबकि राहुल चाहर ने तीन विकेट लिए। इसके अलावा रबादा, अर्शदीप सिंह और स्मिथ ने एक-एक विकेट लिए। पंजाब किंग्स को पहला झटका मुकेश चौधरी ने दिया और उन्होंने कप्तान व ओपनर बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को 4 रन पर कैच आउट करवा दिया। वहीं इस टीम का दूसरा विकेट भनुका राजपक्षे के रूप में गिरा जो 9 रन बनाकर रन आउट हो गए। शिखर धवन ने 24 गेंदों पर 33 रन की पारी खेली, लेकिन ब्रावो की गेंद पर जडेजा ने उनका कैच लपक लिया। लिविंगस्टोन ने काफी अच्छी पारी खेली और उन्होंने 32 गेंदों पर 5 छक्के व 5 चौकों की मदद से 60 रन की पारी खेली। वो रवींद्र जडेजा की गेंद पर अंबाती रायुडू के हाथों लपके गए।

लखनऊ के सामने होगी हैदराबाद की टीम, जानिए कब और कहां देखें यह मुकाबला

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के 12वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ खेलने उतरेगी। हैदराबाद की टीम को अपने पहले मुकाबले में हार मिली थी जबकि लखनऊ ने अब

तक दो मैच में एक जीत और एक हार का सामना किया है। इस मैच में हैदराबाद की टीम जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी तो वहीं लखनऊ अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश में रहेगी इस सीजन में पहली बार खेलने उतरी लखनऊ के टीम की कमान केएल राहुल के हाथों में है तो वहीं हैदराबाद को केन विलियमसन लीड कर रहे हैं। दोनों ही टीम के कप्तान के पास इस फार्मेट में कप्तानी का खासा अनुभव है। इस मैच से पहले चलिए जान लेते हैं इससे जुड़ी तमाम अहम बातें। कब होगा सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच यह मैच 4 अप्रैल, सोमवार को होगा सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच यह मैच। कहां होगा सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच यह मैच सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच यह मैच डीवाई पाटिल स्टेडियम में होगा। कितने बजे शुरू होगा सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच यह मैच सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच यह मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगी। कितने बजे होगा सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच इस मैच का टास सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच टास मैच शुरू होने से आधा घंटे पहले शाम 7 बजे होगा। सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच होने वाले इस मैच को कहां देख सकते हैं सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच होने वाले इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा मैच से जुड़ी हर खबर को आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पर पढ़ सकते हैं।

वर्ल्ड कप के फाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाया नताली सिवर ने शानदार शतक

नई दिल्ली। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर खेले जा रहे वर्ल्ड कप फाइनल मैच में इंग्लैंड टीम 357 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी। इंग्लैंड की तरफ से नताली सिवर ने

रन चेज में अकेले संघर्ष किया लेकिन टीम को जीत दिलाने में नाकाम रही। इस मैच में उन्होंने 148 रन की नाबाद पारी उनके अलावा कोई भी बैटर इंग्लैंड की तरफ से अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर सका। इंग्लैंड की टीम 43.4 ओवर में 285 रन ही बना पाई और मैच 71 रन से अपने नाम करने के साथ आस्ट्रेलिया ने सातवीं बार खिताब पर कब्जा जमाया। टास हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए आस्ट्रेलिया की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 5 विकेट खोकर 356 रनों का विशाल स्कोर बनाया था। आस्ट्रेलिया की तरफ से एलिसा हेली ने वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 170 रन बनाए। वर्ल्ड कप इतिहास में ये किसी भी खिलाड़ी द्वारा खेली गई सर्वाधिक रनों की पारी है चाहे महिला क्रिकेट की बात हो या पुरुष क्रिकेट की हेली इस मामले में सबसे आगे निकल गई हैं। इसके अलावा आस्ट्रेलिया की तरफ से रचेल हेनेस ने 68 और बेथ मूनी ने 62 रन की पारी का योगदान दिया। इंग्लैंड की तरफ से आस्ट्रेलिया के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए सिवर ने टीम को मैच में बनाए रखा। 53 गेंद पर 5 चौके और 1 छक्के की मदद से इस बल्लेबाज ने अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की। एक छोर से विकेट गिरते रहे लेकिन सिवर ने एक छोर को संभाले रखा और लगातार रन भी बनाती रही। 90 गेंद पर 10 चौके और 1 छक्के जमाकर उन्होंने अपनी सेंचुरी पूरी की।

IPL में पहली बार CSK का कप्तान पंजाब के खिलाफ शून्य पर हुआ आउट, जडेजा ने बना डाला शर्मनाक रिकार्ड

नई दिल्ली। रवींद्र जडेजा आइपीएल 2022 में चेनन्ई सुपर किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। हालांकि उनकी कप्तानी में अब तक कोई ऐसा स्पार्क तो नहीं दिखा है जिससे ये कहा जा सके कि वो इस टीम को धौनी जैसी कोई सफलता दिला पाएंगे। उन्होंने एक बेहद खराब रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। सीएसके के लिए आइपीएल के पिछले 12 सीजन में एम एस धौनी ने कप्तानी की थी और वो एक बार भी इस दौरान पंजाब टीम के खिलाफ शून्य पर आउट नहीं हुए थे। वहीं 13वें सीजन में सीएसके टीम की कप्तानी रवींद्र जडेजा को दी गई और इस सीजन में पंजाब के खिलाफ हुए मैच में वो शून्य पर आउट हुए। यानी वो आइपीएल में सीएसके के पहले कप्तान बन गए जो पंजाब टीम के खिलाफ शून्य पर आउट हुए और शर्मनाक रिकार्ड बना दिया। आइपीएल में सीएसके के लिए सुरेश रैना ने भी कुछ मैचों में कप्तान की थी, लेकिन वो भी कभी बतौर कप्तान पंजाब के खिलाफ शून्य पर आउट नहीं हुए थे। आपको बता दें कि सीएसके के खिलाफ इस मैच में पंजाब ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 180 रन बनाए थे। इसके जवाब में चेनन्ई की शुरुआत काफी खराब रही और इस टीम ने पावरप्ले यानी 6

पिछले दो मैचों में अपनी टीम के लिए जडेजा ने 26 और 17 रन की पारी खेली थी, लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ वो शून्य पर आउट हो गए। जडेजा जब इस मैच में बल्लेबाजी के लिए उतरे थे तब टीम को उनकी जरूरत थी, लेकिन वो अपना खाता भी नहीं खोल पाए और अर्शदीप सिंह की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने अपनी पारी में तीन गेंदों का सामना किया। इस मैच में शून्य पर आउट होने के साथ-साथ ओवर में 4 विकेट पर सिर्फ 27 रन ही बना पाई। पावरप्ले में रितुराज गायकवाड़ एक रन, राबिन उथप्पा 13 रन, मोइन अली और रवींद्र जडेजा जीरो के स्कोर पर आउट हुए। यही नहीं सीएसके ने 36 रन पर अपने पांच विकेट गंवा दिए थे और पांचवा विकेट अंबाती रायुडू का था जो 13 रन पर आउट हुए थे। इस मैच में सीएसके टीम 126 रन पर आल आउट हो गई और उसे 54 रन से हार मिली।

केएल राहुल के सामने केन की चुनौती

मुंबई। मौजूदा चैंपियन चेनन्ई सुपरकिंग्स के खिलाफ जीत से अपना अभियान पटरी पर लाने वाला लखनऊ सुपरजाइंट्स अपनी मजबूत बल्लेबाजी के दम पर आइपीएल में मंगलवार से होने वाले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद पर हावी होने की कोशिश करेगा। आइपीएल की नई टीम लखनऊ अपने पहले मैच में पदार्पण करने वाली एक अन्य टीम गुजरात टाइटंस से हार गई थी, लेकिन बड़े स्कोरे वाले दूसरे मैच में वह चेनन्ई को हराने में सफल रही जिससे निश्चित तौर पर उसका मनोबल बढ़ा होगा। कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डिकाक के रूप में लखनऊ के पास मजबूत सलामी जोड़ी है जिन्होंने चेन्नई के खिलाफ पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की थी। वेस्टइंडीज के इविन लुइस ने 23 गेंदों पर 55 रन बनाए जिससे लखनऊ ने 211 रन का लक्ष्य हासिल करके चेनन्ई को हराया था। उसके पास मध्यक्रम में दीपक हुड्डा के रूप में विश्वसनीय बल्लेबाज है। युवा आयुष बडोनी ने छक्के मारने की अपनी क्षमता से इस आइपीएल में अभी तक अपनी छाप छोड़ी है और वह अपनी फार्म बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। लखनऊ के पास क्रुणाल पांड्या और जैसन होल्डर जैसे बेहतरीन आलराउंडर हैं, लेकिन टीम के लिए मनीष पांडे की फार्म चिंता का विषय है। गेंदबाजी में लखनऊ का दारोमदार आवेश खान, श्रीलंका के

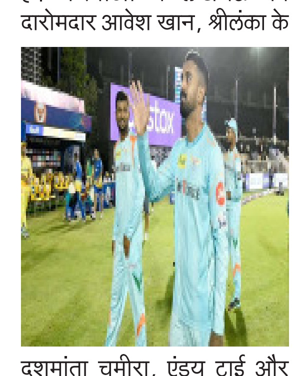

दुशमांता चमीरा, एंड्रयू टाई और रवि बिशनेई पर टिका है। इन सभी को रन प्रवाह पर अंकुश लगाने के लिए अधिक अनुशासित गेंदबाजी करनी होगी। सनराइजर्स को अपने पिछले मैच में राजस्थान रायल्स से 61 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उसकी टीम में स्टार खिलाड़ियों की कमी है और ऐसे में उसके अन्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है।अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने पिछले मैच में किफायती गेंदबाजी की लेकिन रोमेरियो शेफर्ड, उमरान मलिक, टी नटराजन और वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाजों ने पिछले मैच में अधिक रन लुटाए। यदि सनराइजर्स को अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को चुनौती पेश करनी है तो उसके गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। बल्लेबाजी में उसका दारोमदार कप्तान केन विलियमसन, राहुल त्रिपाठी, निकोलस पूरन, एडेन मार्करैम, अब्दुल समद और अभिषेक शर्मा पर टिका है। पिछले मैच में इनमें से मार्कराम ही चल पाये थे जबकि सुंदर की 14 गेंदों पर 40 रन की पारी टीम के लिए सकारात्मक पहलू रहा। अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने पिछले मैच में किफायती गेंदबाजी की लेकिन रोमेरियो शेफर्ड, उमरान मलिक, टी नटराजन और वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाजों ने पिछले मैच में अधिक रन लुटाए। यदि सनराइजर्स को अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को चुनौती पेश करनी है।

हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक, भारतीय हाकी पुरुष टीम ने इंग्लैंड को 4-3 से हराया

भुवनेश्वर। भारतीय हाकी टीम ने एफआइएच प्रो लीग के दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ एक कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। टीम इंडिया ने कांटे की टक्कर वाले मैच में इंग्लैंड पर 4-3 से जीत हासिल करने में कामयाबी पाई। भारत के ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने इस मैच में हैट्रिक गोल दागा। इस मुकाबले में उन्होंने अपने गोल का शतक भी पूरा कर लिया। रविवार को एफआइएच प्रो लीग में भारत का सामना ताकतवर इंग्लैंड के साथ हुआ। यहां भारतीय टीम ने विरोधी टीम पर हर वक्त पकड़ बनाए रखी और आखिर में टीम को जीत मिली। मैच में सबसे भारत की तरफ से सबसे ज्यादा तीन गोल हरमनप्रीत ने किए जबकि मनप्रीत सिंह के एक गोल किया। इन दोनों के गोल की मदद से भारतीय पुरुष हाकी टीम ने प्रो लीग के दूसरे मैच में इंग्लैंड पर 4-3 से जीत दर्ज की। मैच में पहला गोल इंग्लैंड की तरफ से किया गया था जब सातवें मिनट में लियाम सैनफोर्ड ने गोल को भारतीय गोलपोस्ट में दागा। 1-0 की बढ़त के साथ खेल रही इंग्लैंड को 15वें मिनट में पहला गोल खाना पड़ा जब मनप्रीत ने गोल दागकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम दबदबा बनाया और हरमनप्रीत ने एक के बाद एक तीन गोल दागे।

रीयल मैड्रिड की जीत में चमके करीम बेंजेमा, केल्टा विगो के खिलाफ दागे दो गोल

बार्सिलोना। रीयल मैड्रिड के करीम बेंजेमा ने चोट से उबर कर वापसी करते हुए स्पेनिश लीग ला लीगा के मुकाबले में केल्टा विगो के खिलाफ अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। बेंजेमा पैर में चोट के कारण दो सप्ताह तक मैदान से बाहर थे। लेकिन उन्होंने इस मुकाबले में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। इससे पहले, बेंजेमा ने 19वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल कर रीयल मैड्रिड को बढ़त दिलाई जो पहले हाफ तक बरकरार रही। हालांकि, दूसरे हाफ के शुरुआत में केल्टा विगो के लिए नोलिटो ने 52वें मिनट में जावी गालान के पास पर गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। लेकिन बेंजेमा ने 69वें मिनट में मिली पेनाल्टी को गोल में बदलकर रीयल मैड्रिड को एक बार फिर बढ़त दिलाई। टीम ने इस बढ़त को अंतिम सीटी बजने तक बरकरार रखा। अन्य मुकाबलों में लेवांटे ने विलारीयल को 2-0 से, एटलेटिको मैड्रिड ने एलावेस को 4-1 से और गेटाफे ने मालीका को 1-0 से हराया।

राशिफल

मेष-:आप किसके साथ आर्थिक लेन-देन कर रहे हैं, इस बात से सावधान रहें। दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ शाम के कार्यक्रम में शामिल हों।

वृष-: यात्रा में व्यतीत होगा. आपकी यात्रा ऑफिस के काम से जुड़ी हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से मुलाकात होगी।

मिथुन-:विरोधी भी दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे. आज किसी पड़ोसी का व्यवहार आपको आहत कर सकता है। आप उसकी बातों को नजरअंदाज करने की कोशिश करते हैं।

कर्क-:लंबी अवधि के मुनाफे की दृष्टि से शेयरों और म्यूचुअल फंड में निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने फैसले बच्चों पर थोपना उन्हें गुस्सा दिला सकता है।

सिंह-: व्यस्तताओं से भरा कारोबारी मामलों में आप कुछ खास बदलाव कर सकते हैं, लेकिन बदलाव करने से पहले आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

कन्या-:व्यापार में अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। आप इस समय का सदुपयोग अपने व्यापार को बढ़ाने में कर सकते हैं। प्रतियोगिता में बेहतर बने रहें।

तुला-:कुछ ऐसी घटनाएँ आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं, जिनसे बचना संभव नहीं है. लेकिन आप शांत रहें और स्थिति से निपटने के लिए तुरंत कोई प्रतिक्रिया न दें।

वृश्चिक-:आज आपके मन में नए विचार आएंगे. आने वाले कुछ दिनों में कोई बड़ा काम प्लान हो सकता है। साथ ही किसी खास काम के लिए सोचने और समझने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

धनु-:आज का दिन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। परिवार के सदस्यों का सहयोग आपको मिल सकता है। काम की सफलता और नए काम की शुरुआत के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

मकर-:गलतफहमियों के कारण आपके और आपके प्रिय के बीच कुछ अनबन हो सकती है. आपको याद रखना चाहिए कि प्यार के लिए भी गंभीरता की आवश्यकता होती है

कुंभ-:आज का दिन आपके लिए काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है. इस राशि के लोग आज किसी बड़ी योजना की शुरुआत कर सकते हैं। जिसका लाभ उन्हें बाद में अवश्य मिलेगा।

मीन-:आज आप नौकरी में बहुत मेहनत करने वाले हैं. आप अपने काम को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। आज आप कोई भी पहल करें या कोई नया कदम उठाए

सम्पादकीय

किसानों की दशा और गावों की अर्थव्यवस्था को सुधारना है तो सरकार करे यह काम................

रद किए जा चुके तीनों कृषि कानूनों की समीक्षा को लेकर गठित समिति के इस दावे के बाद भले ही सननटा पसरा हो कि इन कानूनों से करीब 85 प्रतिशत किसान संगठन संतुष्ट थे, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि किसानों की समस्याओं का समाधान हो गया है। या फिर उनकी और खासकर आम किसानों की समस्याओं पर विचार करने की आवश्यकता नहीं। तीनों कृषि कानून किसानों और खेती को बंधनमुक्त कर कृषि क्षेत्र के व्यवसायीकरण और आधुनिकीकरण की राह बनाने वाले थे। मौजूदा माहौल में कृषि कानून पुनः वापस आने से तो रहे, लेकिन सुधारों के रास्ते तो बनाए ही जा सकते हैं। अब रास्ते क्या हैं? इस पर समग्रता से विचार की आवश्यकता है। यह प्रश्न अभी अनुत्तरित है कि कृषि उत्पादों का मूल्य तंत्र किस प्रकार किसान या पशुपालक के नियंत्रण में लाया जा सकता है 'उपज हमारी और कारोबार तुम्हारा' क्यों चलना चाहिए आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कोई संकल्पना ही नहीं बन पा रही है, क्योंकि हमारे ग्राम अब अर्थव्यवस्था की आधारभूत इकाई नहीं रह गए हैं। जीडीपी में कृषि-पशुपालन का भाग मात्र 16 प्रतिशत रह गया है। गांव श्रमिक सप्लाई के केंद्र बनकर रह गए हैं। विकास के जनपदीय अभिलेखों में गांव निर्जीव होकर मात्र संख्यात्मक डाटा कलेक्शन तक ही सीमित हैं। गांव विशेष की आर्थिक स्थिति क्या है गांव घाटे में है या लाभ में रोजगार का स्तर क्या है कितने श्रमिक जीविका के लिए बाहर हैं मुख्य फसल कौनसी है, फसलों की उपज कितनी है, कितना सरप्लस गांव से निर्यात हुआ ये किसी के न सवाल हैं न विषय। कृषि मंडी का विचार मूलतः कृषि उत्पादों के भंडारण और विपणन के लिए ही लाया गया था, ताकि किसानों को बाजार मिले, लेकिन समय के साथ उस पर आढ़तियों, दलालों और क्षुद्र राजनीतिक सुविधाजीवियों का कब्जा हो गया। अंततः यह क्रमशः कृषकों विशेषकर मध्यम एवं छोटे किसानों के शोषण की व्यवस्था में परिवर्तित होता गया। आज कृषकों के पास मंडी का कोई विकल्प ही नहीं है। वे अपने उत्पाद बाहर नहीं बेच सकते। जब मंडी कानून बने थे तब तक व्यावसायिक उदारीकरण का जमाना नहीं आया था। जब फिलहाल यही दिख रहा है कि मंडी कानून बने रहेंगे तब प्रशन यह है कि इस कानून को किसान हित में उपयोग करने के रास्ते क्या बन सकते हैं? यह समस्या एक चुनौती की तरह है, जिसके समाधान का सवाल हमारे सामने है। कृषि एक आर्थिक गतिविधि है। कृषि पूंजी सीमित ग्रामीण संसाधनों से ही आती है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को क्या लाभ हो रहा है मान लीजिए उत्तर प्रदेश या पंजाब अथवा राजस्थान का कोई गांव विक्रय योग्य 1,000 क्विंटल गेहूं मंडी भेजता है तो राज्य की तय दरों के अनुसार मंडी शुल्क राज्य के खाते में चला जाएगा। ये दरें उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 1.5 एवं 2.5 प्रतिशत हैं तो पंजाब और हरियाणा में 6.5 से 8 प्रतिशत तक। बड़ी फसलों यथा गेहूं-धान खरीदने का कार्य आढ़ती के जिम्मे है, जिसे मंडी प्रशासन क्षेत्रवार कारोबारी लाइसेंस जारी करता है। सहकारी संस्थाओं को भी लाइसेंस निर्गत किए जाते हैं। कृषि उपज का कारोबारी लाभ मुख्यतः मंडी और आढ़तियों में वितरित हो जाता है। ग्रामसभा को इसका कोई लाभ नहीं मिलता। अब यदि ग्रामसभा को भी कृषि आढ़त का लाइसेंस दे दिया जाए तो क्या परिणाम होगा पहली बाधा, ऐसा कभी सोचा ही नहीं गया है। फिर सवाल उठेगा कि यह कैसे हो सकता है। यह कहा जाएगा कि ग्रामसभा कोई व्यापारी तो है नहीं और फिर धन कहां है इनके जवाब आसान हैं। ग्रामसभा खुद सहकारी उत्पादक विक्रय समिति/संघ बना सकती है। गांव के मंडी प्लेटफार्म पर क्रेताओं को आमंत्रित कर सकती है। राष्ट्रीय एवं सहकारी बैंक ग्रामसभाओं को वित्तीय आवश्यकतानुसार क्रेडिट लिमिट स्वीकृत कर सकते हैं। मंडी परिसर में तो क्रेता आते ही हैं। ग्रामसभा बेची गई उपज पर मंडी शुल्क वसूल कर अपना कलेक्शन चार्ज वसूलकर शेष मंडी के खाते में जमा कर देगी। मंडी स्तर पर शुल्क आधा ही जमा हो पाता है, लेकिन ग्रामसभा स्तर पर शुल्क की चोरी संभव नहीं होगी। क्रेता ग्रामसभा में आएगा तो इस प्रकार किसान को लाभ, ग्रामसभा को लाभ, राज्य मंडी को लाभ होगा।

भारत में अल्पसंख्यक और परिसंघीय सिद्धांत, राज्य को ही दर्जा देने का अधिकार

एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में भारत ने सदैव सभी विश्वासों के प्रति सहिष्णुता दर्शाने वाले उदारवादी सिद्धांतों को महत्व दिया है। यही उदारवादी सिद्धांत भारत की विविध संस्कृति और उसकी अखंडता का प्रदर्शन भी करते हैं और निसंदेह इस अखंडता को बनाए रखने में सहायक रहे हैं। लेकिन हाल के दशकों में व्यक्तिवादी मनोवृत्तियों के उभरने और उनके प्रसार के कारण कई अवसरों पर अंतर-सांस्कृतिक संघर्षों को बल मिला है और ऐसी स्थिति को आलोचकों ने कई बार 'असहिष्णुता की एक संस्कृतिS भी कहा है। ध्यातव्य हो कि भारत का संविधान प्रत्यक्ष रूप से प्रतिष्ठा और अवसर की समानता का प्रविधान करता है और बंधुत्व के सिद्धांत पर व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करता है। इसके बावजूद कई समूह राजनीतिक मनोवृत्तियों से प्रभावित होकर वैयक्तिक राजनीतिक लाभ लेने की मंशा से भारत की विविध और बहुवचनीय संस्कृति का अनुचित लाभ लेने का प्रयास करते हैं। इसके लिए ऐसे समूह समाज को जाति या भाषा या धर्म के आधार पर बांटने का कार्य करते हैं जिसके कारण समुदायों में घृणा की भावना विकसित होती है जो सांप्रदायिकता को जन्म देती है।यह सत्य है कि कोई राष्ट्र तभी अखंड बना रह सकता है जब वह कमजोर एवं बहिष्कृत वर्गों और अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करे। इसी आधार पर संविधान ने सभी व्यक्तियों को धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार समान रूप से दिया है। साथ ही, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक और भाषाई आधारों पर विभेद रोका है, ताकि भारत में विधि के शासन द्वारा विधिक और नैसर्गिक, दोनों ही प्रकार का न्याय उपलब्ध कराया जा सके। अल्पसंख्यक शिक्षा संस्था अधिनियम : हाल ही में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शिक्षा संस्था अधिनियम 2004 की धारा 2 (एफ) की वैधता को चुनौती दी गई है जिसने इस विषय को विवादास्पद बना दिया है। याचिका में यह कहा गया है कि अधिनियम की यह धारा प्रभाव में स्वेच्छाचारी, अतार्किक और आक्रामक है। याचिका में यह भी उल्लेख है कि अल्पसंख्यक शब्द की स्पष्ट परिभाषा नहीं दिया जाना संविधान की संरचनात्मक कमी है। अधिनियम की यह धारा संघ सरकार को भारत में अल्पसंख्यकों की पहचान करने और उन्हें अधिसूचित करने की शक्ति देती है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 की धारा 2 (सी) भी संघ सरकार को अल्पसंख्यकों की पहचान करने की शक्ति देती है। इसी शक्ति का प्रयोग कर सरकार ने 1993 में मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध तथा पारसी

समुदाय को अल्पसंख्यक समुदाय घोषित किया था। वर्ष 2014 में जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में अधिसूचित किया गया। हाल ही में दायर याचिका में यह मांग की गई है कि कई राज्यों में बहाई, हिंदू और यहूदी समुदाय अल्पसंख्यक हैं, अतः उन्हें भी यह दर्जा दिया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र सरकार ने यहूदियों को राज्य में अल्पसंख्यक घोषित किया है। इसी प्रकार, कर्नाटक ने उर्दू, तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी, तुलु, हिंदी, कोंकणी तथा गुजराती भाषाओं को राज्य में अल्पसंख्यक भाषा के रूप में मान्यता दी है। केंद्र सरकार ने इस याचिका की अनुक्रिया में कहा है कि इससे किसी समुदाय को अल्पसंख्यक घोषित करने की संघ की शक्ति का क्षरण नहीं होता। इस पृष्ठभूमि में अल्पसंख्यकों के संदर्भ में संविधानिक योजना पर विचार करने के अतिरिक्त संघ और राज्यों द्वारा विधि निर्माण के परिसंघीय सिद्धांतों पर भी विचार करना उपयुक्त होगा। भारत के संविधान में 'अल्पसंख्यकS शब्द परिभाषित नहीं है, लेकिन अनुच्छेद 29 (1) में ऐसे समुदायों की पहचान के आधारों का उल्लेख है। ये आधार हैं भाषा, लिपि या संस्कृति। अनुच्छेद 29 (1) की विशेषता यह है कि इसके प्रविधान सामान्य रूप से नागरिकों के सभी वर्गों जिनकी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति है, उन पर लागू हैं और विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के शैक्षणिक और सांस्कृतिक अधिकारों का संरक्षण करते हैं। इसके अतिरिक्त, अनुच्छेद 29 के खंड (2) में शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश के लिए केवल धर्म, मूलवंश, जाति या भाषा के आधार पर विभेद रोका गया है। विभेदीकरण पर रोक लगाने के कारण इसे अनुच्छेद 15 (1) का विस्तार भी कहा जाता है। दूसरी ओर, अनुच्छेद 30 (1) में सभी भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों को अपनी रुचि की शिक्षा संस्था स्थापित करने का अधिकार है। इस अनुच्छेद की भाषा से कई बार यह उलझन हो सकती है कि कदाचित संविधान ने धर्म के आधार पर अल्पसंख्यकों की पहचान का प्रविधान किया है। लेकिन यह सत्य नहीं है। वस्तुतः यदि भाषा पर गौर किया जाए तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि जिन समुदायों को भाषा, लिपि या संस्कृति के आधार पर अल्पसंख्यक घोषित किया गया है, उनमें भाषा या धर्म के आधार पर विभेद नहीं किया जा सकता। एक अन्य विशेष बात जो ध्यान देने योग्य है वह यह है कि अनुच्छेद 29 तथा 30 एक-दूसरे से स्वतंत्र हैं। जहां अनुच्छेद 29 के प्रविधान केवल अल्पसंख्यकों तक सीमित नहीं, बल्कि सभी नागरिकों पर प्रभावी हैं, वहीं अनुच्छेद 30 यह स्पष्ट करता है कि ये प्रविधान केवल उन अल्पसंख्यक वर्गों तक सीमित नहीं हैं, जिनकी पहचान भाषा, लिपि या संस्कृति के आधार पर हुई है, बल्कि उन पर भी लागू होंगे जिनका अपना कोई विशिष्ट धर्म है। निश्चित रूप से यदि धर्म को अल्पसंख्यकों की पहचान का आधार बना दिया जाए तो यह अनुच्छेद 15 (1) का उल्लंघन होगा, क्योंकि यह धर्म के आधार पर विभेद का एक उदाहरण होगा। अल्पसंख्यकों के लिए शिक्षा : यहां प्रशन यह है कि अल्पसंख्यकों द्वारा किस प्रकार की शिक्षा संस्था स्थापित की जानी चाहिए? अनुच्छेद 30 (1) में अपनी रुचि की शिक्षा संस्था स्थापित करने का अर्थ यह नहीं है कि उसमें केवल उनके धर्म की या उनकी भाषा में शिक्षा दी जाए। यह इस अधिकार में शामिल नहीं है। इस अनुच्छेद का उद्देश्य इन वर्गों में आत्मविश्वास जगाना है कि भारत में पंथ निरपेक्षता उनके साथ किसी भी प्रकार के विरोध को रोकेगी और उनके साथ असमान व्यवहार नहीं होगा। हालांकि वे अपनी भाषा, लिपि या संस्कृति का संरक्षण करने का कार्य करेंगे, लेकिन साथ ही ऐसी शिक्षा संस्था में सामान्य रूप से भी शिक्षा दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, उनके बच्चों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में कोई विभेद नहीं होगा। परिसंघीय संवैधानिक योजना के अनुसार यह प्राथमिक रूप से भाषा, लिपि या संस्कृति पर आधारित होना चाहिए। यदि हिंदुओं को जो देश में बहुसंख्यक हैं, अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाता है तो इससे समाज में विखंडनकारी ताकतों को बल मिलेगा, क्योंकि देश के अन्य राज्यों में रहने वाले हिंदू इस सुविधा या अधिकार से वंचित होंगे और यह समानता के सिद्धांत के विरुद्ध होगा। यह भी आशंका होगी कि अंतर-सामुदायिक या अंतर-जातीय संघर्षों में वृद्धि हो। यह भी विदित है कि यदि केवल जनसंख्या को आधार बनाया जाए तो यह गंभीर चिंता का भी विषय होगा। कारण यह कि किसी राज्य में ऐसी स्थिति भी हो सकती है कि किसी भी भाषाई या धार्मिक समुदाय की जनसंख्या कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत नहीं हो। याचिका की अनुक्रिया के रूप में संघ सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि हालांकि राज्य को अल्पसंख्यक का दर्जा देने के लिए कानून बनाने की शक्ति है, लेकिन इससे संसद की शक्ति का अपरदन नहीं होता। सरकार ने यह कहा है कि इस विषय पर कानून बनाने की शक्ति समवर्ती शक्ति है जिसकी व्याख्या अनुच्छेद 246 को समवर्ती सूची की प्रविष्टि 20 के साथ पढ़ कर होती है। अतः राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 अतार्किक या स्वेच्छाचारी नहीं है। लेकिन यदि यह विचार कि इस विषय पर केवल राज्य को कानून बनाने की शक्ति है, उसको स्वीकार कर लिया जाए तो यह संसद की शक्ति का क्षरण और अपरदन होगा और यह भारत के एकात्मक परिसंघीय ढांचे की संवैधानिक योजना के विरुद्ध होगा। अब प्रशन यह है कि इस विषय पर किसे कानून बनाना चाहिए? यह केवल परिसंघीय सिद्धांत का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक चरित्र का एक अहम पहलू है जिसका संरक्षण भारत की पंथ निरपेक्ष प्रकृति के लिए और सांप्रदायिक ताकतों पर अंकुश लगाने के लिए अनिवार्य है। संघ और राज्य की समवर्ती शक्ति का प्रयोग सदैव सामाजिक सौहार्द के लिए किया जाना चाहिए, न कि अंतर-सांस्कृतिक राजनीति के लिए। व्यक्तिवाद के इस दौर में जो मूलतः बाजार के व्यवहार और मुनाफा केंद्रित दृष्टिकोण से प्रेरित है, राष्ट्र की अखंडता के समक्ष गंभीर चुनौतियां हैं। इस संदर्भ में कोई भी कदम जो अंतर-सांस्कृतिक विरोध उत्पन्न कर सकता हो, भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए अत्यंत हानिकारक सिद्ध होगा और इसकी सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत के सबसे सुदृढ़ मूल्य सहिष्णुता को क्षतिग्रस्त करेगा। राज्य को ही अल्पसंख्यक का दर्जा देने का अधिकार। उच्चतम न्यायालय ने केरल शिक्षा विधेयक 1957 के संदर्भ में अनुच्छेद 143 के तहत राष्ट्रपति द्वारा राय मांगे जाने पर पूर्व में यह कहा था कि किसी भी धार्मिक अल्पसंख्यक वर्ग द्वारा संचालित शिक्षा संस्था में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाएगी, बल्कि संविधान ऐसी शिक्षा संस्थाओं में भी पंथनिरपेक्ष सामान्य शिक्षा का संरक्षण करता है। धार्मिक शिक्षा की व्याख्या करते हुए उच्चतम न्यायालय ने डीएवी कालेज बनाम पंजाब राज्य 1971 मामले में यह कहा कि किसी भी धर्म के गुरु या दार्शनिकों या पैगंबरों के विचारों को धार्मिक शिक्षा के अर्थ में शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि ऐसे विचार समाज को प्रगतिशील बनाते हैं और सौहार्द को बढ़ावा देते हैं। केवल धार्मिक आचरणों को ही इसके अर्थ में शामिल किया जा सकता है। इसी मामले में न्यायालय ने यह भी कहा कि चूंकि हिंदू देश में बहुसंख्यक हैं, अतः उन्हें किसी राज्य में अल्पसंख्यक का दर्जा नहीं दिया जा सकता। भारत में न्यायालयों ने समय-समय पर यह अभिनिर्धारित किया है कि किसी समुदाय को अल्पसंख्यक का दर्जा देने के लिए राज्य को ही इकाई बनाना चाहिए। टीएमए पाई फाउंडेशन बनाम कर्नाटक राज्य 2002 मामले में यह तर्क दिया गया कि हालांकि राज्य ही अल्पसंख्यक की पहचान करने वाली इकाई है, लेकिन इससे राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 की धारा 2 (सी) प्रभावित नहीं होती। इस मामले में न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 29 और 30 के प्रविधान अल्पसंख्यकों के परिरक्षण और संरक्षण के लिए हैं, न कि ऐसी अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने के लिए जिनसे समाज में असमानता आती हो। यहां यह उल्लेख तार्किक होगा कि यदि हिंदुओं के विभिन्न पंथों या वर्गों को अनुच्छेद 30 (1) के तहत अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाएगा तो इससे छोटे-बड़े कई वर्गों, समूहों या समुदायों का निर्माण हो जाएगा और हिंदू देश में बहुसंख्यक नहीं रह जाएंगे। याचिका में दावा किया गया है कि बहाई, यहूदी और हिंदू कई राज्यों में अल्पसंख्यक हैं, क्योंकि उनकी जनसंख्या 50 प्रतिशत से कम है।

बंगाल विधानसभा में हुई हिंसा यही दर्शाती है कि हमारी राजनीति किस कदर मर्यादा से मुंह मोड़ रही है

बीते दिनों बंगाल विधानसभा में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच हिंसक हाथापाई से एक बार फिर लोकतंत्र शर्मसार हुआ। नेता प्रतिपक्ष सहित कई विधायक निलंबित किए गए। भारत में संसद और विधानमंडल व्यवधान और अव्यवस्था के शिकार हैं। अव्यवस्था दूर करने के लिए अनेक समितियां बनीं। उनकी सिफारिशें आईं, लेकिन अव्यवस्था एवं अनुशासनहीनता लगातार बढ़ी है। कुछ समय पूर्व बिहार विधानसभा में भी बंगाल जैसा घटनाक्रम घटित हुआ था और केरल में भी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में एक समय सदस्यों ने माइक उखाड़कर मारपीट की थी। बंगाल की घटना से कई प्रशन उठे हैं। बीरभूम की हिंसा पर ममता सरकार चर्चा के लिए तैयार क्यों नहीं थी वह सीबीआइ जांच के लिए भी तैयार नहीं हुई। इसका आदेश भी कलकत्ता हाई कोर्ट को देना पड़ा। इसके बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यही कहा है कि 'जांच ठीक से नहीं हुई तो वह सड़कों पर उतरेंगी।' क्या कोई मुख्यमंत्री ऐसी भाषा और लहजे का इस्तेमाल कर सकता है बंगाल लंबे समय से राजनीतिक हिंसा के लिए कुख्यात रहा है। यहां चुनाव से पहले, चुनाव के समय और चुनाव के बाद व्यापक हिंसा हुई। वहां इतना खौफ पसरा कि लोग पलायन कर दूसरे राज्यों में शरण लेने पर मजबूर हुए। ममता की तृणमूल कांग्रेस से पहले राज्य में वामदल राजनीतिक हिंसा करते थे। विरोधी का खात्मा वाम विचार का मुख्य सूत्र है। ममता बनर्जी ने भी वामदलों का रास्ता अपनाया। सत्ता और विपक्ष परस्पर शत्रु नहीं होते। दोनों वैचारिक विरोधी होते हैं, लेकिन तृणमूल और वामदल राजनीतिक विरोधी को शत्रु मानते हैं। बीरभूम की घटना से पूरा देश चिंतित है। प्रधानमंत्री ने हत्याओं को जघन्य अपराध बताते हुए कहा कि दोषियों को माफ नहीं किया जा सकता। जाहिर है कि सरकार का आचरण पक्षपातपूर्ण है। यह विधानसभा में उसके रवैये से भी पुष्ट हुआ। राज्य सरकार को स्वयं इस रक्तरंजित हिंसा पर चर्चा करानी चाहिए थी, लेकिन चर्चा दो दूर सदन में ही इस मुद्दे पर मारपीट हो गई।सदनों में हंगामा प्रायः दो प्रकार के होते हैं। एक हंगामा अचानक उत्तेजना या व्यक्तिगत आक्षेप के चलते तात्कालिक होता है। यह कभी-कभी बड़ा रूप लेता है, लेकिन आमतौर पर अध्यक्ष/पीठासीन अधिकारी के प्रयास से शांत हो जाता है। दूसरी तरह का हंगामा योजनाबद्ध होता है। राजनीतिक दल अपने विधायकों, सांसदों को सदन न चलने देने के लिए बाकायदा दिशानिर्देश देते हैं। ऐसे दलों के जनप्रतिनिधि बैनर लेकर सदन में आते हैं। ऐसा हंगामा लंबा खिंचता है।

उच्च शिक्षा को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप किया जाए विकसित................

आजकल देश की उच्च शिक्षा फिर से बहस से घिरी हुई है। कारण उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से समय समय पर आने वाली नियुक्तियों के नियम हैं। कोई भी बदलाव वास्तव में मुश्किल होता है। देश की शिक्षा नीति को लागू करने के लिए बनाए गए प्रविधान शिक्षा में अपनी जड़ों को वर्षों से जमाए हुए लोगों को विचलित कर रहे हैं। उन्हीं में से एक प्रविधान है उच्च शिक्षा में पढ़ाने की योग्यता से पीएचडी की अनिवार्यता को खत्म करना। यूजीसी नए और विशेष पदों को बनाने की भी योजना बना रहा है जिनमें पीएचडी की आवश्यकता नहीं होगी। यूजीसी के अनुसार इन नए पदों के पीछे विचार यह है कि अनुभवी और उद्योग के काम करने वाले लोगों को छात्रों के साथ अपना ज्ञान साझा करने की अनुमति दी जाए। शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिसके जरिये देश की बाकी व्यवस्थाएं बनती हैं और शिक्षा देने वालों पर इसकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी होती है। इसलिए भविष्य की बागडोर किसके हाथ में होगी यह नीतियों से तय करना बहुत ही जरूरी है। विश्व के अधिकांश देशों में उच्च शिक्षा प्रदान करने का मानक पीएचडी को माना गया है। यह शोध करके प्राप्त की गई डिग्री है। इसकी डिग्री केवल उपसर्ग नहीं है, बल्कि यह सबसे उच्च शैक्षिक उपलब्धि है। विश्व के हर विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले शिक्षक अपनी उम्र का बड़ा हिस्सा किसी विषय पर शोध करने में लगाते हैं, जिनके नतीजों से उन्हें डिग्री एवं भविष्य की पीढ़ियों को तैयार करने और विषय की समझदारी की मान्यता मिलती है। शिक्षण और शोध एक दूसरे का अहम अंग हैं। इन्हें विश्व के नामी विश्वविद्यालयों में एक साथ जोड़ कर ही देखा जाता है, परंतु यह निराशाजनक है कि भारत शिक्षण के साथ शोध में भी पिछड़ा रह जिसका जिम्मेदार बहुत हद तक शिक्षा और उद्योग के बीच एकीकरण की कमी है। परंतु पीएचडी की अनिवार्यता को खत्म करने के मकसद को समझने की बजाय बुद्धिजीवी नई बहस में उलझते दिख रहे हैं। वैसे यदि इसे हम विश्वस्तरीय नजरिये से समझेंगे भारत में इसी तरह की व्यवस्था को विकसित करने की जरूरत है। महामारी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए नौकरी बाजार ऐसे कौशल की मांग करेगा जो वर्तमान की उच्च शिक्षा प्रदान नहीं कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की शोध में स्थिति सौ से भी कम थी। यह संख्या बताती है कि भारत वर्तमान में विश्व के अन्य देशों की तुलना में अधिक पीएचडी धारकों वाला देश है। परंतु विश्वसनीय संस्थानों में जहां छात्रों को साहित्यिक चोरी के बिना वास्तविक शोध पत्र लिखने की आवश्यकता होती है, वहां छात्रों

गया है। शिक्षकों का शिक्षा देने की कला में माहिर होना बहुत जरूरी है। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट के 2021 में जारी हुए आठवें संस्करण के अनुसार केवल 45.9 प्रतिशत सनतक ही रोजगार योग्य हैं। इस वर्ष जारी किए गए एक संबंधित सूचकांक में एक भी भारतीय संस्थान श्रेष्ठ 100 में अपनी जगह नहीं बना पाया। इससे भारत की शिक्षण प्रणाली पर फिर सवाल उठ गए तो पाएंगे कि विश्व के सभी बड़े विश्वविद्यालयों में इसी तरह के प्रविधान पहले से हैं। यहां भारत को विश्व के दो सफल माडल- जर्मनी और जापान से सबक लेना चाहिए। जर्मनी का शिक्षा कार्यक्रम उसके निर्माण कौशल का एक विशेष हिस्सा है। उद्योग की आवश्यकताओं के साथ छात्र कौशल के मिलान में जापान की स्कूल प्रणाली एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बहुत खराब हुई है। पीएचडी की डिग्री सम्मानीय होने के अलावा मात्र एक सनतकोत्तर जैसी डिग्री बन कर रह गई है। कारण है शिक्षक बनने के लिए इसकी अनिवार्यता। विश्व में पीएचडी धारकों की संख्या बढ़ती जा रही है। अनिवार्यता के साथ ही इसकी आसान उपलब्धता भी जिम्मेदार है। वर्ष 2017 में भारत में सभी विषयों में कुल डाक्टरेट की संख्या 24 हजार थी जो 1920 में की संख्या कुल संख्या का केवल 10.2 प्रतिशत भाग है। इसलिए अन्य देशों की तुलना में भारत का अनुसंधान तंत्र पिछड़ा हुआ है। यह निराशाजनक है कि भारत के अनुसंधान तंत्र के पिछड़े होने के कारण विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में भारत का पतन हुआ है। जबकि चीन, हांगकांग और सिंगापुर जैसे अन्य एशियाई क्षेत्रों में अग्रणी विश्वविद्यालयों के रूप में रैंकिंग में लगातार वृद्धि हो रही है। आविष्कारों में भारत के खराब हालात को आप कंट्रोलर जनरल आफ पेटेंट्स के आंकड़ों से समझ सकते हैं कि भारत में पिछले 10 वर्षों में केवल 67,342 पेटेंट ही जारी किए गए हैं जिसमें से 85 प्रतिशत विदेशी कंपनियों के नाम थे। इसका कारण भारत में हो रहे शोध की निमन गुणवत्ता है। ज्यादातर शोध पेटेंट करने लायक न होकर सिर्फ अकादमिक जर्नल में छपने के लिए होते हैं जिनकी गुणवत्ता सवालों के घेरे में है। भारतीय शिक्षा जगत केवल प्रकाशनों पर केंद्रित है और शायद ही कोई उत्पाद के व्यावसायीकरण, पेटेंट कराने या इसे उत्पादन स्तर तक ले जाने पर ध्यान केंद्रित करता है। गुणवत्ता या उत्कृष्टता के बजाय मात्रा पर अधिकांश भारतीय शोधकर्ताओं का मौलिक महत्व भारतीय विज्ञान की विफलता का एक प्रमुख कारक है। एक अन्य आंकड़े को देखेंगे तो समझ पाएंगे कि भारत में पिछले एक दशक के दौरान यहां के 579 मेडिकल कालेजों में से लगभग 332 ने एक भी शोध लेख प्रकाशित नहीं किया है। इसी तरह के अनेक आंकड़ों से आप भारत की आविष्कारों एवं शोध में बदतर होती परिस्थितियों को समझ पाएंगे। ऐसे में देश की उच्च शिक्षा में व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में सीएम नीतीश तो जमुई में चिराग ने डाले वोट, आरा में पुल से नीचे गिरी मजिस्ट्रेट की गाड़ी

पटना। बिहार विधान परिषद के स्थानीय प्राधिकार की 24 सीटों के लिए मतदान राज्य के 534 प्रखंड मुख्यालयों में बनाए गए केंद्रों पर सोमवार की सुबह आठ बजे से चल रहा है। मतदान शाम चार बजे तक चलेगा। इसमें सांसद, विधायक, विधान पार्षद, त्रिस्तरीय पंचायती राज व नगर निकाय के सदस्य तथा छावनी क्षेत्र के चुने हुए प्रतिनिधि मतदाता हैं। मतदान की पल-पल की खबर के लिए लगातार बने रहिए हमारे साथ। 03:00 इझ- मतदान अब अपने अंतिम दौर में प्रवेश कर रहा है। इस दौरान जमुई में चिराग पासवान मतदान करने पहुंचे। 02:20 इझ- बांका में दो बजे तक 96 प्रतिशत मतदान हुआ है। जहानाबाद में दो बजे तक कुल मतदान 84.77 प्रतिशत। शिवहर में दो बजे तक कुल 91.41 फीसद मतदान। 02:10 इझ- मोतिहारी के पीपराकोठी में एमएलसी चुनाव के लिए गनन उद्योग व विधि मंत्री प्रमोद कुमार ने मतदान किया। जमुई के खैरा में मंत्री सुमित कुमार सिंह वोट देने केंद्र पहुंचे। मुंगेर के तारापुर में मंत्री सम्राट चौधरी व विधाकय राजीव कुमार सिंह ने वोट डाले।

बेहद खास है पंजाब के गुरदासपुर की केंद्रीय जेल में 311 साल पुराना कुआं

कालिया। केंद्रीय जेल गुरदासपुर में 311 साल पुराना कुआं मिला है। सरकारी रिकार्ड व माहिर इतिहासकारों के मुताबिक दस फीट गहरा यह कुआं 1711 में बाबा बंदा सिंह बहादुर के समय का है। जेल के नवीनीकरण के लिए की जा रही खुदाई के दौरान जेल अधिकारियों को इस कुएं का पता चला। जेल प्रशासन ने अब इसे संरक्षित करने का फैसला किया है। खास बात है कि इस कुएं के कारण पूरी जेल को भी नया रूप दिया जा रहा है। कुएं के पास एक स्टील की प्लेट लगाई गई है, जिस पर जेल व कुएं का इतिहास लिखा गया है। जेल की बाकी दीवारों पर भी गुरु नानक देव जी, बंदा सिंह बहादुर व मुगल शासकों की पेंटिंग बनाई जा रही है।

विशाल भगवा रैली का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि को अखिल भारत हिन्दू महासभा, नर्मदा संभाग एवं इटारसी नगर द्वारा विशाल भगवा रैली का

आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनन कुमार शर्मा ने किया। मुनन कुमार शर्मा ने भगवा ध्वज दिखाकर भगवा रैली का शुभारंभ किया। रैली में सैकड़ों हिन्दू महासभा कार्यकर्ता, महिलाएं और पुरुष सम्मिलित हुए। कई किलोमीटर की रैली में सड़कों के किनारे खड़े होकर हजारों इटारसी नगरवासियों ने रैली का स्वागत किया। कई चौराहों पर नगर के सम्मानित नागरिकों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इटारसी नगर के प्रतिष्ठित जय स्तंभ चौक पर हजारों उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनन कुमार शर्मा ने केंद्र सरकार से मांग की कि देश में एक समान नागरिक कानून, जनसंख्या नियंत्रण कानून, राष्ट्रीय स्तर पर गौहत्या पर प्रतिबंध लगाने का कानून शीघ्र लागू किया जाए। उन्होंने घोषणा किया कि जिस तरह हिन्दू महासभा ने अयोध्या में भगवान रामजन्मभूमि को मुक्त कराया है, उसी प्रकार से मथुरा स्थित श्रीकृष्णजन्मभूमि और काशी विश्वनाथ मंदिर को मुक्त करायेगी और भव्य मंदिर का निर्माण करेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से कश्मीर से विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं की वापसी कराने और उनकी संपत्ति वापस दिलाने की मांग की। उन्होंने हिन्दू नववर्ष और भगवा रंग की विशेषता का भी वर्णन किया। उन्होंने सभी इटारसी नगरवासियों और देशवासियों को हिन्दू नववर्ष और नवरात्री की शुभकामनाएं दीं। भगवा रैली में मध्यप्रदेश हिन्दू महासभा के प्रदेश संगठन मंत्री कन्हैयालाल रैकवार, बालविहारी मालवीय, श्रीमति शशिकला रैकवार, उमेश चौधरी सहित सैकड़ों नगरवासी सम्मिलित हुए।

मैहर मेला परिसर पार्किंग से चोरी हुई बोलरो

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव मैहर

सतना। जिला प्रशासन ने मेहर चैत्र नवरात्र मेले को लेकर पूरी तरह से

अलर्ट मोड पर था प्रशासन कहीं भी कोई ऐसा मौका नहीं छोड़ना चाह रहा था जहां पर चूक की गुंजाइश हो जिसके लिए थ्री लेयर की पार्किंग व्यवस्था की गई थी कि जिस में किसी भी प्रकार की चोरी की वारदात को अंजाम ना दिया जा सके लेकिन चोरों के मंसूबों के आगे सारी व्यवस्था धरी की धरी रह गई और गाडरवारा से आई गाड़ी बोलेरो क्रमांक एमपी49 3- 0588 मेला परिसर में स्थित पार्किंग पर शाम 6 बजे पहुंची ओर जब 10 बजे श्रद्धालु दर्शन के गाड़ी के पास आए तो गाड़ी नहीं थी, सतना जिला पुलिस अधीक्षक ने पार्किंग को दुरस्त रखने के लिए अलग अलग लोगो को ठेका प्राइवेट में करवाया था लेकिन फिर गाड़ी चोरी हो गई वही पुलिस अधीक्षक ने बोलोरो चोरी मामले में ठेकेदार सहित चोरों पर मुकदमा दर्ज करने निर्देश दिए है।

50 या उससे अधिक शैय्या के चिकित्सालयों/नैदानिक स्थापनों के रजिस्ट्रेशन के संबंध में शासन ने जारी किए दिशा निर्देश।

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा।उत्तर प्रदेश शासन एवं जिला अधिकारी सुहास एलवाई के निर्देशों के क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद गौतम बुद्ध नगर में संचालित/ स्थापित समस्त अस्पतालों/ क्लिनिको/ डायगनेस्टिक केंद्रों का आह्वान करते हुए उन्हें जानकारी दी है कि शासनादेश संख्या -55/ पाँच-6-2022 चिकित्सा अनुभाग-6 लखनऊ दिनांक-07 जनवरी के क्रम में द क्लीनिकल स्टेबलिसमेन्ट रजिस्ट्रेशन एन्ड रेगुलेशन एक्ट -2010 के अन्तर्गत नैदानिक स्थापनों के रजिस्ट्रीकरण / पंजीकरण के संबंध में शासन के द्वारा दिशा निर्देश जारी किए गए हैं जो कि ".म्तहर्मिर्तेप्सहे्.दन.ग्ह पर उपलब्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये की अध्यक्षता में गठित समिति की संस्तुति पर सम्यक विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि फिलहाल 50 शैय्या से कम क्षमता वाले चिकित्सालयों/ नैदानिक स्थापनों का पंजीकरण वर्तमान में चल रही व्यवस्था के अनुसार जारी रहेगा एवं 50 या उससे अधिक शैय्या के चिकित्सालयों/ मैदानिक स्थापनों के रजिस्ट्रेशन एक्ट 2010 के अन्तर्गत निर्धारित मानकों के अनुसार किया जायेगा। उन्होंने पंजीकरण के दौरान आवश्यक प्रमाण पत्र के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि अग्निशमन प्रमाण पत्र की अनापत्ति प्रमाण पत्र पर्यावरण प्रमाण पत्र (बायोमेडिकल, एयर एवं वाटर प्रमाण पत्र) की अनापत्ति प्रमाण पत्र , बायोमेडिकल वेस्ट अनुबंध पत्र की अनापत्ति प्रमाण पत्र , चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉफ की अंकतालिका / उपाधि प्रमाण पत्र, एम0सी0आई0 / एन0एम0सी / एस0एम0सी0 से पंजीकरण प्रमाण पत्र, मैप, मालिक / चिकित्सक / पैरामेडिकल का अनुबंध एवं अन्य प्रमाण पत्र होना आवश्यक है।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

श्रमिक कुन्ज 2 सेक्टर 93 मे राहुल दूबे निर्विरोध आरडब्लूयूए अध्यक्ष चुने

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। श्रमिक कुंज 2 सैक्टर 93 में कई वर्षों से आर डब्लूयू ए का चुनाव नहीं हुआ था मेरठ रजिस्टार के आदेशानुसार चुनाव के लिए आदेशित किया गया लेकिन राहुल दूबे के पैनल के अलावा किसी अन्य पैनल ने चुनाव मे अपनी उपस्थिति नही दर्ज करायी। इसलिए रजिस्टार द्वारा नामित चुनाव अधिकारियों ने राहुल दूबे को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित करते हुये प्रमाण पत्र दिया।

विश्व हिंदू परिषद ने धूमधाम से मनाया भगवान श्रीराम जन्मोत्सव कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर-82 पाकेट 7 के शिव मंदिर पर श्रद्धानंद प्रखंड के भवानी खंड में श्री राम जन्मोत्सव का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया गया।जिसमें मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में प्रांत संघठन मंत्री नागेंद्र जी का मार्गदर्शन मिला । नागेन्द्र जी ने बताया कि भगवान श्री राम जी के जीवन से हमें प्रेरणा मिलती है कि उन्होंने दबे, कुचले,निर्मल, शोषितों, वंचितों,अभावग्रस्त, बन्धु बान्धवों को सामाजिक समरसता का बोध कराकर एक दूसरे के गले लगाकर व संगठित होकर उनके मन में अत्याचार के खिलाफ लड़ने की शक्ति स्थापित कर विजय दिलाई। विश्व हिंदू परिषद समाज में एक मंदिर, एक कुआँ, व एक शमशान के उपयोग का आवाहन करता है हिन्दू समाज को जाग्रत और संगठित कर सशक्त बनाना व राष्ट्र को परम वैभवशाली बनाकर विश्व गुरु के सिंघासन पर विराजमान करना हमारा उद्देश्य है। कार्यक्रम में नोएडा महानगर मंत्री विवेक मिश्रा ,विष्णु शर्मा , ओम थापा,बी डी गुप्ता,रतन भारद्वाज,सुभाष शर्मा,सर्वेश तिवारी,वीरेन्द्र, निमिष , पंकज ,राजेश पाठक ,रमेश वर्मा ,प्रमोद श्रीवास्तव , राहुल ,बी एल सिंह लोकेश शर्मा ,पप्पू सिंह ,संजय पाण्डेय,हरि शंकर सिंह,एस के तिवारी,लक्ष्मण सिंह चौहान,प्रदुमन श्रीवास्तव,कमल पात्रा, सियाराम, रमेश शर्मा व सैकडो की तादाद में हिंदू कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री 'स्वतन्त्र प्रभार' उत्तर प्रदेश सरकार मा0 श्री नरेंद्र कश्यप का स्वागत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर-35 स्तिथ भाजपा नोएडा मा0 जिलाध्यक्ष श्री मनोज गुप्ता जी के आवास पर पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री 'स्वतन्त्र प्रभार' उत्तर प्रदेश सरकार मा0 श्री नरेंद्र कश्यप जी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत व अभिनंदन किया। इस मौक़े नरेंद्र कश्यप ने कहाँ की भाजपा की सरकार बनाने में कार्यकर्ताओं का बहुत बड़ा योगदान रहा हे कार्यकर्ताओं के योगदान से ही पार्टी को इतनी बड़ी जीत चुनाव में मिली हे कार्यकर्ता पार्टी की रीड हे उन्होंने कहा की कार्यकर्ता का पूरा सम्मान होगा अधिकारी भी कार्यकर्ताओं का पूरा सम्मान करेंगे इस मोके पर मनोज गुप्ता ने कार्यकर्ता पूरी लगन से कार्य कर रहा हे उनका मान सम्मान पूरा होगा जो अधिकारी कार्यकर्ताओं की अवहलना करेगा उसकी सूची बनाकर मुख्यमंत्री जी एवं प्रदेश कार्यालय भेजी जाएगी सभी कार्यकर्ता 6 अप्रेल पार्टी के स्थापना दिवस पर अपने घर पर पार्टी का झंडा अवस्य लगाए। इस मोके पर जिला महामंत्री उमेश त्यागी, मंत्री चमन अवाना, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, उमेश यादव, सचिन अंबावत मोजूद रहे।

मंडी को बंद कराने की धमकी देते युवक की वीडियो वायरल

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा।पुलिस के ट्विटर हैंडल पर एक युवक की वीडियो वायरल हो रही है। वीडियो में युवक सब्जी मंडी को बंद कराने की धमकी दे रहा है और एक दुकानदार को दुकान बंद करने की बात कह रहा है। ट्वीट का संज्ञान लेते हुए फेज 2 थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक ट्विटर प्रोफाइल से नोएडा पुलिस के ट्विटर हैंडल अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो में एक युवक सब्जी मंडी में खड़ा दिख रहा है। युवक दुकानदारों को सब्जी की दुकानें बंद करने की चेतावनी दे रहा है। यह वीडियो फेज 2 थाना क्षेत्र स्थित भंगेल मंडी का बताया जा रहा है। वीडियो शेयर करने के बाद बहुत से लोगों ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। ट्वीट का संज्ञान लेते हुए फेज 2 थाना पुलिस को मामले की जांच करने के आदेश दिए गए हैं।

जम्मू के लोगों की आपत्तियों को सुनने जम्मू पहुंचा परिसीमन आयोग

जम्मू। जम्मू कश्मीर की जनआकांक्षाओं को पूरी करने के अंतिम पड़ाव पर पहुंचा परिसीमन आयोग रविवार को जम्मू पहुंच गया था। आज सोमवार को आयोग ने जम्मू के लोगों को आपत्तियों को जानने के लिए बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। सुबह जम्मू के सर्किट हाउस में पहुंचे आयोग के सदस्य प्रतिनिधिमंडलों से मिल रिपोर्ट पर उनकी आपत्तियों को सुनना शुरू कर दिया है। आपको बता दें कि जम्मू जिले और मंगलवार को श्रीनगर की आपत्तियां सुनी जाएंगी। आपत्तियां सुनने के बाद आयोग जल्द जारी करेगा ।

एच- वन इंडिया कम्पनी के कर्मचारियों ने आमसभा कर आंदोलन करने का लिया निर्णय गंगेश्वर दत्त शर्मा सीटू नेता

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। एच-वन इंडिया लिमिटेड उद्योग विहार ग्रेटर नोएडा के प्रबंधकों द्वारा स्थाई कर्मचारियों को नौकरी से हटाए जाने के

उद्देश्य घोषित स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) के विरोध में 3 अप्रैल को कर्मचारियों ने सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पार्क में एच-वन इंडिया इंप्लाईज यूनियन के अध्यक्ष रामप्रवेश की अध्यक्षता में आम सभा कर आंदोलन करने का लिया निर्णय।आम सभा को सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, कोषाध्यक्ष रामस्वास्थ्य, सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य महासचिव अनुराग सक्सैना व यूनियन नेता अमीचंद, ओमप्रकाश आदि ने संबोधित किया।

6 अप्रैल भाजपा स्थापना दिवस से शुरू होंगे भाजपा के विशेष कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। भारतीय पार्टी नॉएडा महानगर की भाजपा जिला कार्यालय सेक्टर 116 पर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन हुआ। यह बैठक आगामी कार्यक्रमों को लेकर आयोजित हुई। इस बैठक की अध्यक्षता नॉएडा महानगर के जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता द्वारा करी गयी। बैठक में जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता जी ने सबसे पहले सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद दिया जिनकी वजह से भाजपा ने प्रचंड बहुमत के उत्तर प्रदेश में सरकार बनाई साथ ही नॉएडा में भी सबसे बड़ी जीत दर्ज करी। आगामी पार्टी के कार्यक्रमों की योजना बताते हुए उन्होंने बताया कि 6 अप्रैल 222 को भाजपा का स्थापना दिवस है इसको ले कर पूरे प्रदेश में पार्टी स्थापना दिवस को जोर शोर से मंडल स्तर तक मनाएगी। 6 अप्रैल को 9 बजे सभी कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय पर ध्वजारोहण करेंगे उसके बाद 10 बजे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का उद्बोधन है जिसको सभी कार्यकर्ता एल.ई.डी के माध्यम से सुनाएंगे। प्रधानमंत्री का उद्बोधन हर मंडल पर भी एल ई डी लगाकर सुनाया जाएगा जिससे सभी मंडल के कार्यकर्ता प्रधानमंत्री जी को सुन सकें। उसी दिन एक शोभायात्रा का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही 6 अप्रैल 14 अप्रैल तक सेवा के कार्यों भी चलाए जाएँगे। पार्टी 14 अप्रैल बाबा साहेब भीम राउ अम्बेडकर जी की जयंती को सामाजिक समरसता दिवस की तरह मनाती है जिसके चलते ही ये सभी सेवा कार्य किए जाएँगे, जिसमें रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, अस्पतालों में फल वितरण, स्वास्थ्य परीक्षण शिवर, महापुरुषों की मूर्तियों की सफ़ाई, प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के लिए स्टेशनेरी का वितरण, सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था जैसे सेवा कार्य शामिल हैं। इसी के साथ 6 अप्रैल को स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पूरे प्रदेश, ज़िले एवं मंडल स्तर पर माइक्रो डोनेशन का अभियान भी चलाया जाएगा, इस डोनेशन के माध्यम से सभी कार्यकर्ता हर मंडल और ज़िले स्तर से छोटे छोटे डोनेशन कराएँगे । ये डोनेशन 5, 50, 100, 500 से 1000 रुपए तक ही ली जाएंगी। ये सभी डोनेशन नमो आपके ज़रिए ही लिए जाएंगे, जिसका एक लिंक तैयार किया जाएगा, जिसके द्वारा सभी कार्यकर्ता उसको लोगों को बताएंगे । ये कार्यक्रम 30 अप्रैल तक चलाया जाएगा। कार्यक्रम में प्रभारी बसंत त्यागी, क्षेत्रीय मंत्री बिजेंद्र नागर, महामंत्री चंदगीराम यादव, उमेश त्यागी, डिम्पल आनंद, उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, गिरजा सिंह, युद्धवीर चौहान, गिरीश कोटनाला, महेश अवाना, धर्मेंद्र गुप्ता, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, कोषाध्यक्ष विनोद शर्मा, मंत्री प्रमोद बहल, रवि यादव, चमन अवाना, मंडल अध्यक्ष अशोक मिश्रा, लोकेश कश्यप, गोपाल गौर, कल्लू सिंह, बबलू यादव, पंकज झा, मनोज शर्मा, हर्ष चतुर्वेदी, ग्रामीण मोर्चा अध्यक्ष लोकेश यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष राम निवास यादव, प्रसेनजित मैत्रा, शारदा चतुर्वेदी, करतार चौहान, मल्लिकेश्वर झा, शिवांश श्रीवास्तव, अनिल पेश्वरिया, गौतम शर्मा, हरीश वर्मा, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने वाली महिला गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के फोटो एडिट कर पोस्ट करने और अभद्र टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। हिंदू युवा वाहिनी के जिला संयोजक की तरफ से महिला के खिलाफ बिसरख कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया गया था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक हिंदू युवा वाहिनी के जिला संयोजक रजत शर्मा ने ग्रेनो वेस्ट की गौर सिटी में रहने वाली रागिनी यादव नाम की एक महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। आरोप है कि उसने अपने फेसबुक पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फोटो एडिट कर अभद्र टिप्पणी की थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार किया था। इसके बाद महिला को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने महिला को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस द्वारा महिला के गिरफ्तारी पर सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है कि योगी के राज में पुलिस दमन और उत्पीड़न चरम पर है।

दो बच्चे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा।सेक्टर 71 स्थित जनता फ्लैट से दो बच्चे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। बच्चों के परिजनों ने मामले की शिकायत फेज 3 थाना पुलिस से की है। सेक्टर 71 स्थित जनता फ्लैट में रहने वाले 11 वर्षीय क्रिस और 9 वर्षीय राशि दो दिन पहले घर से खेलने के लिए निकले थे, जो संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। काफी तलाश करने के बाद भी बच्चे नहीं मिले तो परिजनों ने फेज 3 थाना पुलिस से गुहार लगाई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बच्चों की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों ने सोशल मीडिया पर बच्चों की फोटो पोस्ट करके लोगों से उन्हें तलाश करने में मदद मांगी है।

अंधेरी कोर्ट बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव संपन्न,प्रदीप शेट्टी हुए अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई।अंधेरी बार एसोसिएशन के चुनाव में वकील बंधुओं ने वार्षिक

कार्यकारिणी समिति के लिए प्रदीप शेट्टी को अध्यक्ष के रूप में चुना है।उपाध्यक्ष पद पर एस.एन.पांडे, सचिव राजेश पांडे, सह-सचिव पी.के. मिश्रा, खजीनदार अश्विनी यादव, सदस्य नीता शाह, सुरेंद्र यादव, मनीष शुक्ला,सोनी तिवारी,रमेश चंद्र तिवारी, विपुला नाईक को चुना गया है अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी ने कहा कि वकीलों के मान- सम्मान एवं कल्याण के लिए वह सदैव तत्पर रहेंगे नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के गठन पर बृजेश तिवारी, मनोज पांडे, संतोष तिवारी ,संजय चाैहाे ,ाािनाेद तिवारी,के.वी.दुबे,शिव प्रसाद मिश्रा,अविनाश पांडे, प्रभाकर उपाध्याय ,शशि उपाध्याय ,शैलेश प्रजापति सहित नालासोपारा वसई विरार के आदि ने हार्दिक बधाई दी है यह जानकारी अँधेरी कोर्ट के एडवोकेट बृजेन्द्र सिंह ने दी।

इस दिन ओटीटी पर रिलीज होगी राजामौली की 'आरआरआर' नोट कर लीजिए ये डेट

नई दिल्ली। एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर ने बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा बरकरार रखा है। फिल्म वर्ल्डवाइड 800 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है। जूनियर एनटीआर, रामचरण, आलिया भट्ट और अजय देवगन स्टारर इस फिल्म के लिए लोगों की दीवानगी का आलम ये है कि दूसरे हफ्ते में भी सिनेमाघर हाऊसफुल चल रहे हैं। जो लोग इसे सिनेमा के बड़े पर्दे पर नहीं देख पाए. वो इसके ओटीटी पर रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। तो हम आपको गुडन्यूज दे ही दें, कि आपकी ख्वाहिश जल्द ही पूरी होने वाली है। जी हां, जल्द 'आरआरआर' एक नहीं बल्कि दो ओटीटी प्लेटफॉर्म

पर रिलीज होने वाली है। फिल्म रीजनल भाषाओं में जी5 पर रिलीज की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार तेलुगू, तमिल, मलयालम, और कनन्ड़ में आरआरआर को जी5 पर देखा जा सकेगा। रिलीज के दो महीने के बाद फिल्म जी5 पर आएगी यानि कि फिल्म 25 मई को ओटीटी पर हिन्दी छोड़ सभी भाषाओं में रिलीज की जाएगी। हालांकि हिन्दी के दर्शकों के लिए एक दिल तोड़ने वाली खबर है, आरआरआर फिलहाल ओटीटी पर हिन्दी में रिलीज नहीं होगी। आरआरआर के मेकर्स ने भी अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा- द राइज' की तर्ज पर इसे इतनी जल्दी ओटीटी पर रिलीज नहीं करने का फैसला लिया है। हिन्दी बेल्ट में फिल्म अच्छी चल रही है, और जल्द ही 200 करोड़ पार करने वाली है। ऐसे में इसे ओटीटी पर इतनी जल्दी रिलीज करने का रिस्क लेने के मूड में मेकर्स नजर नहीं आ रहे है। खबर है कि आरआरआर का हिन्दी वर्जन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो सकता है, वहीं बताया जा रहा है कि फिल्म रिलीज के करीब 3 महीने बाद, यानी 25 जून तक ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। बता दें कि आरआरआर के वीएफएक्स काफी पसंद किए जा रहे हैं। फिल्म ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए है।

स्प्लिट्सविला 13 में नजर आ चुकी आजमा फला हिंदुस्तानी भाऊ से भी ले चुकी हैं पंगा

नई दिल्ली। लॉकअप कंटेस्टेंट आजमा फला स्प्लिट्सविला 13 में भी नजर आ चुकी हैत् इतना ही नहीं, उनका हिंदुस्तानी भाऊ से भी विवाद हो चुका है आजमा फला ने कंगना रनोट द्वारा होस्ट किए जा रहे शो लॉकअप में कुछ दिनों पहले एंट्री ली है उनकी एंट्री के साथ ही सभी का ध्यान उनपर गया है वह घर में काफी मनोरंजक वातावरण बना रही है वहीं लोग उनके बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं लॉकअप की वाइल्डकार्ड प्रतियोगी आजमा फला एक ब्यूटी ब्लॉगर, मॉडल और फैशन इनफ्लुएंसर है वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैत् उनके इंस्टाग्राम पर 2 लाख 29 हजार फॉलोअर्स है खबरों की मानें तो आजमा फला का जन्म पाकिस्तान का इस्लामाबाद में हुआ है इसके बाद उनके माता-पिता दुबई चले गए, वहां उन्होंने मॉडलिंग करियर की शुरुआत की और इसके बाद वह भारत आकर अपनी किस्मत आजमाने लगीत् एक इंटरव्यू में आजमा फला ने कहा कि वह भारतीय है इस बारे में बताते हुए आजमा फला कहती है, 'मैं पाकिस्तानी ब्लॉगर थी ऐसा कुछ लोग सोचने लगे क्योंकि मैं पाकिस्तान के कलाकारों पर वीडियो बनाती थी लेकिन ऐसा नहीं है, मैं भारतीय हू आजमा फला स्प्लिट्सविला 13 में नजर आई थी वह ऑनलाइन ऑडिशन जीतकर इस शो का हिस्सा बनी थीत् आजमा फला को रियालिटी शो करने में ज्यादा मजा आता है उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'कई लोगों को टेलीविजन या फिल्मों में काम करने का मौका मिलता है, तो वह कर लेते हैं लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे रियलिटी शो करने में मजा आता है क्योंकि इसमें मुझे अपनी बातें लाखों लोगों को बताने का अवसर मिलता है आजमा फला बिग बॉस 13 के कंटेस्टेंट हिंदुस्तानी भाऊ से भी भिड़ चुकी हैंत् उन्होंने दावा किया कि हिंदुस्तानी भाऊ उर्फ विकास पाठक ने उनसे उनकी नंगी तस्वीरों की मांग की है उन्होंने हिंदुस्तानी भाऊ से माफी भी मांगने के लिए भी कहा था ।

राजकुमार संतोषी को कोर्ट ने चेक बाउंस होने के मामले में 1 साल की सुनाई सजा, जानें पूरा मामला

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता और निर्देशक राजकुमार संतोषी पर साढ़े 22 लाख रुपए के चेक बाउंस होने के मामले में कोर्ट ने 1 साल की

सजा सुनाई है। कोर्ट ने उन्हें दोषी पाया है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि अगर वह 2 महीने में रकम नहीं चुकाते हैं तो उन्हें एक साल और जेल में रहना होग गौरतलब है कि राजकुमार संतोषी के अनिल जेठानी से बहुत अच्छे संबंध थे। इसके चलते व्यापार को बड़ा करने के लिए उन्होंने अनिल जेठानी से पैसे लिए। इसके एवज में साढ़े 22 लाख रुपए के लिए तीन अलग-अलग चेक दिए गए। हालांकि तीनों चेक बाउंस होने के चलते अनिल जेठानी ने पैसों के लिए केस कर दिया। इसके बाद अनिल जेठानी ने राजकुमार संतोषी को कानूनी नोटिस भिजवाई। नोटिस का जवाब नहीं मिलने पर राजकुमार संतोषी के खिलाफ सेक्शन 138 की धारा के अंतर्गत केस चला। अब राजकुमार संतोषी ने ई टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा है कि वह सेलिब्रिटी होने का हर्जाना चुका रहे हैं। राजकुमार संतोषी कहते है, 'मैं सेलिब्रिटी होने का हर्जाना चुका रहा हूं। हम आसान टारगेट होते हैं। मुझे न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है। हम मामले में अपील करेंगे। मुझे आशा है कि न्याय मिलेगा।' यह दोनों मामले राजकोट के एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल जज के आगे सुने गए। राजकुमार संतोषी ने यह दावा किया कि वादी ने बैंक चेक का दुरुपयोग किया है जबकि उन्होंने पैसे लौटा दिए हैं और किसी भी प्रकार का लेनदेन बाकी नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने बैंक अधिकारियों को गवाह के लिए बुलाया और उन्होंने शिकायतकर्ता का पक्ष लिया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद जज ने राजकुमार संतोषी को 1 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उन्हें 60 दिन में पैसे वापस लौटाने का भी आदेश दिया है। ऐसा नहीं करने पर उन्हें एक साल और जेल में रहना होगा। राजकुमार संतोषी ने कई बड़ी फिल्मों का निर्देशन किया है।

नमिता थापर को अशनीर ग्रोवर से डील हारने का था दुख

नई दिल्ली। शार्क टैंक इंडिया में नजर आने वाली नमिता थापर ने खुलासा किया कि वह अशनीर ग्रोवर से एक डील हार गई थी, जिसका उन्हें बाद में बहुत पछतावा हुआ नमिता थापर एमक्योर फार्मास्युटिकल्स की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर है और शार्क टैंक इंडिया में नजर आने वाली को शार्क जज

है अब उन्होंने एक डील के बारे में बात की है, जिसे उन्होंने शो पर छोड़ दिया था एक इंटरव्यू में नमिता थापर ने कहा कि टैगजेड फूड डील नहीं कर पाने का उन्हें दुख है उन्होंने यह भी कहा कि शो खत्म होने के बाद उन्होंने उनसे बात की और कंपनी में निवेश किया हैत् रियालिटी शो शार्क टैंक इंडिया में टैगजेड फूड बिजने के लोग पार्टिसिपेंट के तौर पर आए थेत् इसपर अशनीर ग्रोवर ने नमिता थापर और अमन गुप्ता द्वारा दी गई डील को काउंटर कर दिया था अब एक यूट्यूबर को इस बारे में बताते हुए नमिता थापर ने कहा, 'मुझे टैगजेड फूड बिजनेस डील नहीं कर पाने का दुख हैत् वह काफी आकर्षक कंपनी थीत् हम उसके लिए काफी लड़ाई लड़ेत् हालांकि शो खत्म होने के बाद मैं वापस उनके संपर्क में आई और मैंने उस कंपनी में निवेश किया अब मुझे कोई दुख नहीं है ऑफर देते हुए कहा था, मेरे और अमन के पास एक ऑफर है हमारा ऑफर है 70 लाख रुपए 4 परसेंट के लिए, हमें लगता है यह बहुत फेयर ऑफर है इसपर अशनीर ग्रोवर ने कहा, 'मेरा ऑफर है 70 लाख रुपए साढ़े तीन पर्सेंट के लिए यह कुछ नहीं बनाने वाले आपको, सब आपको बेच रहे है' टैगजेड फूड बिजनेस एक बेंगलुरु का ब्रांड हैत् इसमें अशनीर और नमिता दोनों ने पैसे लगाए हैं शार्क टैंक इंडिया का पहला सीजन खत्म हो गया है अब जल्द इसका दूसरा सीजन आने वाला है।

ग्रैमी अवॉड्र्स में नजर आए यूक्रेन के राष्ट्रपति, वीडियो कॉल के जरिए सितारों से मांगा देश के लिए सपोर्ट

नई दिल्ली। संगीत की दुनिया के लिए सबसे बड़े पुरस्कार ग्रैमी अवॉर्ड्स का आयोजन अमेरिका में हुआ। इस अवॉर्ड्स शो में हॉलीवुड के कई सितारों ने अपनी शिरकत की है। यह 64वां ग्रैमी अवॉर्ड्स है,

जिसका आयोजन अमेरिका के लास वेगास में एमजीएम ग्रैंड गार्डन एरीना में हुआ। इस अवॉर्ड्स की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने भी ग्रैमी अवॉर्ड्स में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। अंग्रेजी वेबसाइट टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के अनुसार वीडियो कॉल के जरिए वह अवॉर्ड्स में मौजूद सितारों से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने रूस के साथ जंग झेल रहे अपने देश के लिए सितारों का समर्थन मांगा। वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि उनके देश को जैसे चाहें वैसे सपोर्ट करें। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, 'संगीत के विपरीत और क्या है? बर्बाद शहरों का सननटा और मारे गए लोग। खामोशी को अपने संगीत से भर दो। हमारी कहानी बताने के लिए इसे आज ही भरें। आप किसी भी तरह से हमारा साथ दें। कोई भी, लेकिन चुप्प न रहें।' इसके अलावा राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने और भी ढेर सारी बातें कीं। गौरतलब है कि 64वां ग्रैमी अवॉर्ड्स पहले अमेरिका के लॉस एंजेलिस में 31 जनवरी को आयोजित होने वाला था लेकिन ओमिक्रॉन की वजह से इसकी तारीख और जगह में बदलाव किया गया। बात करें अवॉर्ड्स की तो इस बार अमेरिका सिंगर जॉन बैटिस्ट को इस बार सबसे ज्यादा नामांकन मिला है। तो वहीं लेडी गागा, अपने रेड कार्पेट लुक के साथ हॉलीवुड का पुराना ग्लैमर वापस ले आई हैं। अवॉर्ड्स सेरेमनी में सिंगर ओलिविया रोड्रिगो ने अपने हिट गाने रेड लाइट पर शानदार परफॉर्मेंस दी। तो वहीं अवॉर्ड सेरेमनी के होस्ट ट्रेवर नोह ने फिनीस सरनेम का मजाक उड़ाते हुए कहा कि वह लोगों का नाम अपने मुंह से नहीं लेंगे। ट्रेवर ने विल स्मिथ के थप्पड़ कांड का मजाक उड़ाया। ओलिविया रोड्रिगो को ड्राइवर्स लाइसेंस के लिए बेस्ट पॉप सोलो न्यू आर्टिस्ट का ग्रैमी अवॉर्ड मिला है। यह ओलिविया का पहला ग्रैमी अवॉर्ड है। 'लीव द डोर ओपन' ने सॉन्ग ऑफ द इय्यर का ग्रैमी पुरस्कार अपने नाम किया। यह सॉन्ग ब्रूनो मार्स और एंडरसन पाक की जोड़ी ने कंपोज किया है। इन्हें लोग सिल्क सोनिक के नाम से भी जानते हैं। इस फंक्शन में दक्षिण कोरियाई के पॉपुलर के-पॉप बैंड बीटीएस ने अपने गाने 'बटर' पर परफॉर्मेंस दी।

वेकेशन एंजॉय कर मुंबई लौटे कटरीना कैफ और विक्की कौशल, हाथों में हाथ डाले एयरपोर्ट पर आए नजर

नई दिल्ली। अभिनेता विक्की कौशल और कटरीना कैफ अपनी शादी के बाद से ही चर्चा का विषय बने हुए हैं। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर दोनों के लिए प्यार भरी पोस्ट साझा करते रहते हैं। अब वो अपनी वेकेशन एंजॉय

कर मुंबई लौट आए हैं। रविवार देर रात उन्हें मुंबई एयरपोर्ट से बाहर आते हुए देखा गया था। मुंबई हवाई अड्डे से बाहर आते हुए विक्की और कटरीना की इस वीडियो को पैपाराजी फोटोग्राफर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। वीडियो में दोनों अपने हाथों में हाथ लाए हवाई अड्डे से बाहर आते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में कटरीना ग्रीन कलर की ड्रेस में दिख रही हैं, जबकि स्काई ब्लू शर्ट और पैंट में नजर आ रहे हैं। साथ ही दोनों कोरोना प्रोटोकॉल्स का भी पालन करते हुए दिख रहे हैं। आपको बता दें, कटरीना और विक्की ने पिछले साल 9 दिसंबर को राजस्थान स्थित सिक्स सेंस फोर्ट में एक भव्य समारोह में शादी के बंधन में बंधे थे। उनकी शादी में परिवार के लोग और कुछ खास दोस्त शामिल हुए थे। कट-विक्की ने अपने शादी के समारोह को काफी प्राइवेट रखा था। वहीं, बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें वो इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। अभिनेता जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म सैम बाहदुर में मुख्य भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेक शॉ के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में साल 1941 के युद्ध में पाकिस्तान के आत्मसमर्पण की कहानी को दिखाया जाएगा। इसके अलावा विक्की मेरा नाम गोविंदा, द इम्मोर्टल अश्वत्थामा, मिस्टर ले ले, जी ले जार, जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। उन्होंने आखिरी बार ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म उधम सिंह में दिखाई दिए थे। इस फिल्म कहानी 13 अप्रैल सन 1919 को अमृतसर के जलियावाला बाग में इकट्ठा हुए सैकड़ो निर्देष लोगों की हत्या करने वाले जनरल डायर की हत्या पर आधारित है। शूजित सरकार के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण किनो वर्क्स के साथ मिलकर राइजिंग सन फिल्म्स ने प्रॉड्यूस किया है।

ओलिविया रोड्रिगो बनीं बेस्ट न्यू आर्टिस्ट,रेड कार्पेट पर छाई लेडी गागा

नई दिल्ली। संगीत के सबसे बड़े पुरस्कार ग्रैमी अवॉर्ड्स इस वक्त लास वेगास के एमजीएम ग्रैंड गार्डन एरीना में दिए जा रहे हैं। पहले यह समारोह अमेरिका के लॉस एंजेलिस में 31 जनवरी को आयोजित होने वाला था लेकिन ओमिक्रॉन की वजह से इसकी तारीख और जगह में बदलाव किया गया। जॉन बैटिस्ट को इस बार सबसे अधिक नामांकन मिला है। तो वहीं लेडी गागा, अपने रेड कार्पेट लुक के साथ हॉलीवुड का पुराना ग्लैमर वापस ले आई हैं। समारोह में गायिका ओलिविया रोड्रिगो ने अपने हिट गाने रेड लाइट पर शानदार परफॉर्मेंस दी। तो वहीं अवॉर्ड सेरेमनी के होस्ट ट्रेवर नोह ने फिनीस सरनेम का मजाक उड़ाते हुए कहा कि वे लोगों का नाम अपने मुंह से नहीं लेंगे। ट्रेवर ने विल स्मिथ के थप्पड़ कांड का मजाक उड़ाया। ओलिविया रोड्रिगो को ड्राइवर्स लाइसेंस के लिए बेस्ट पॉप सोलो न्यू आर्टिस्ट का ग्रैमी अवॉर्ड मिला है। यह ओलिविया का पहला ग्रैमी अवॉर्ड है। 'लीव द डोर ओपन' ने सॉन्ग ऑफ द इय्यर का ग्रैमी पुरस्कार अपने नाम किया। यह सॉन्ग ब्रूनो मार्स और एंडरसन पाक की जोड़ी ने कंपोज किया है। इन्हें लोग सिल्क सोनिक के नाम से भी जानते हैं। इस फंक्शन में दक्षिण कोरियाई के पॉपुलर के-पॉप बैंड बीटीएस ने अपने गाने 'बटर' पर परफॉर्मेंस दी। पर सबसे खास जिसपर सबकी नजर रही, वो थीं लेडी गागा। उन्होंने रेड कार्पेट पर सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। ब्लैक और व्हाइट कलर के अरमानी

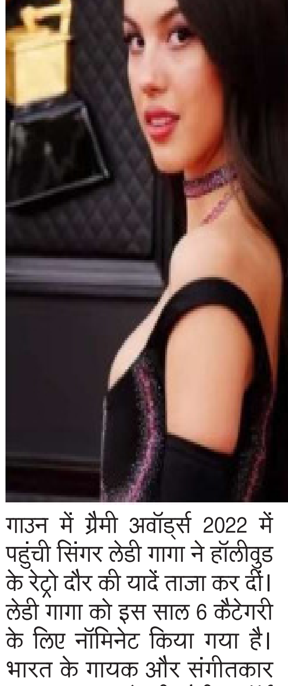

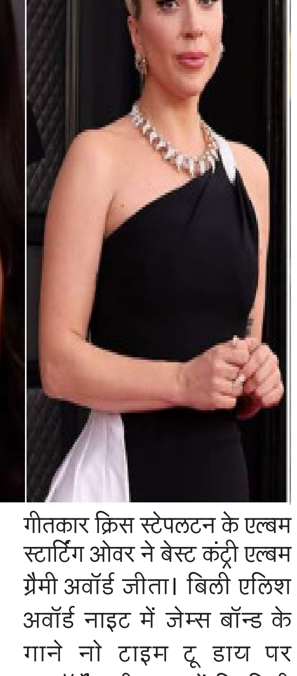

गाउन में ग्रैमी अवॉर्ड्स 2022 में पहुंची सिंगर लेडी गागा ने हॉलीवुड के रेट्रो दौर की यादें ताजा कर दीं। लेडी गागा को इस साल 6 कैटेगरी के लिए नॉमिनेट किया गया है। भारत के गायक और संगीतकार एआर रहमान ने भी ग्रैमी अवॉर्ड में शिरकत की। फैमिली टाइज के लिए बेबी कीम को बेस्ट रैप परफॉर्मेंस का ग्रैमी अवॉर्ड मिला है। तो वहीं बेस्ट प्रोग्रेसिव एलबम का अवॉर्ड लकी डे ने अपने नाम किया। अमेरिकी गायक और गीतकार क्रिस स्टेपलटन के एल्बम स्टार्टिंग ओवर ने बेस्ट कंट्री एल्बम ग्रैमी अवॉर्ड जीता। बिली एलिश अवॉर्ड नाइट में जेम्स बॉन्ड के गाने नो टाइम टू डाय पर परफॉर्मेंस दी। बता दें कि बिली को नो टाइम टू डाय गाने के लिए ऑस्कर भी मिला है।

कंगना रनोट की जेल से रिहा हुई ये टीवी एक्ट्रेस, इस वह से हुई शो से बाहर

नई दिल्ली। अभिनेत्री कंगना रनोट के शो लॉक अप का इस बार वीकेंड का एपिसोड काफी चर्चा में रहा है। इस बार अभिनेत्री ने कई कंटेस्टेंट की जमकर क्लास लगाई और काफी मस्ती भी की। वहीं इस बार कंगना रनोट की अत्याचारी जेल से एक और कंटेस्टेंट बाहर हो गया है। जिसके बाद एक बार फिर से लॉक अप में सभी कंटेस्टेंट्स के खेल का समीकरण बदल गया है। इस बार कंगना रनोट के शो से टीवी की मशहूर अभिनेत्री निशा रावल बाहर हो गई हैं। बीते कुछ दिनों से वह लॉक अप में कम नजर आ रही थीं, जिसके चलते इस बार निशा रावल को दर्शकों के सबसे कम वोट मिले हैं। इस बार लॉक अप से नॉमिनेट होने वालों में आजमा फलाह और निशा रावल का नाम शामिल था, लेकिन आजमा ने अपने बारे में सीक्रेट शेयर कर खुद को शो से बाहर होने के लिए बचा लिया। जिसके बाद निशा रावल को लॉक अप छोड़ना पड़ा। वहीं शो की होस्ट कंगना रनोट ने खुलासा किया कि पायल रोहतगी को सबसे कम वोट मिले थे, जबकि निशा रावल लिस्ट में दूसरे नंबर पर थीं। कंगना रनोट ने निशा को लॉक अप से निकालने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उसका खेल रुक गया था और वह उनकी जेल के लायक नहीं है। जिसके बाद निशा रावल ने कंगना रनोट के शो को छोड़ दिया। बात करें लॉक अप की तो रविवार को शो के अंदर के पुराने कंटेस्टेंट्स करणवीर वोहरा और सायशा शिंदे की एंट्री हुई है। बीते दिनों इन दोनों को शो से बाहर जाना पड़ा था। अब करणवीर वोहरा और सायशा शिंदे की लॉक अप में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री हुई है। सायशा शिंदे को कंगना रनोट ने पिछले हफ्ते अपने शो से बाहर कर दिया था। सायशा को इसलिए बाहर कर दिया गया क्योंकि उन्होंने कंगना के साथ बहस किया और बार-बार कहने के बाद भी माफी नहीं मांगी। लेकिन कंगना ने उन्हें अब एक और मौका दिया है, सायशा ने लॉक अप में एक बार फिर एंट्री की है। वहीं बात करें करणवीर वोहरा की तो बीते दिनों उनका एक टास्क के दौरान एलिमिनेट हो गए थे ।

आलिया भट्ट ने 'आरआरआर' के बाद अब राजामौली के दूसरे प्रोजेक्ट के लिए मिलाया हाथ महेश बाबू के साथ करती दिखेंगी रोमांस

नई दिल्ली। बाहुबली निर्देशक एसएस राजामौली की आरआरआर के रिलीज होने के बाद एक्ट्रेस

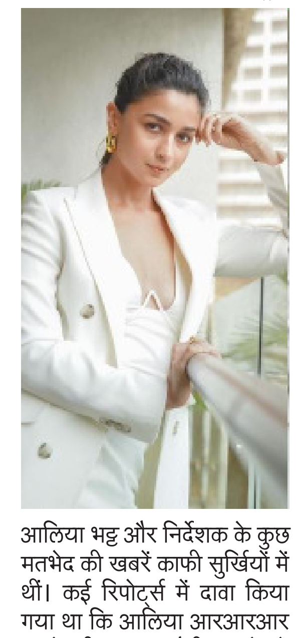

आलिया भट्ट और निर्देशक के कुछ मतभेद की खबरें काफी सुर्खियों में थीं। कई रिपोट्र्स में दावा किया गया था कि आलिया आरआरआर अपने सीन्स पर कैंची चलते से नाराज हैं और इसी के चलते उन्होंने आरआरआर से जुडे भी पोस्ट डिलीट कर दिए थे। इन अफवाहों को विराम देते हुए उन्होंने एक बयान जारी किया था। लेकिन अब जानकारी आ रही है कि आलिया भट्ट ने एसएस राजामौली की अगली फिल्म के लिए उनसे हाथ मिला लिया है इस फिल्म में आलिया महेशा बाबू के साथ रोमांस करती हुई दिखाई देंगी। इस जानकारी को साउथ के फिल्म क्रिटिक और ओवरसीज सेंसर बोर्ड के मेंबर उमैर संधू ने अपने ट्विटर हैंडल पर साझा किया था। उमैर के ट्विटर अनुसार ये कंफर्म जानकारी है कि, सुपरस्टार आलिया भट्ट एसएस राजामौली अगले फिल्म में सुपर स्टार महेश बाबू के साथा रोमांस करती हुई दिखेंगी। जिसकी शूटिंग अप्रैल, 2023 में शुरू होगी। हाल ही में न्यूज एजेंसी ने भी अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि राजामौली में महेश बाबू के साथ अपनी आगामी फिल्म का एलान किया है। हालांकि रिपोर्ट में फीमेल लीड्स के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी गई है। फिल्म के बारे में बताते हुए निर्देशक ने कहा, मैं कहानी पर काम करने की कोशिश कर रहा था, कहानी को पूरी तरह से लिखने में आमतौर पर 6 से 7 महीने लगते हैं और इस बाद वो अपना अगला कदम तय करते हैं। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग के लिए तैयार प्री-विजुअलाइजेशन और प्री-प्रोडक्शन में आने में लगभग आठ महीने लगते हैं। इसलिए, ये प्रोजेक्ट इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगा। जब तक महेश बाबू अपने आगामी सभी प्रोजेक्टों की शूटिंग को खत्म कर लेगें। वहीं, इन दिनों बाहुबली निर्देशक छुट्टी पर हैं और आरआरआर की शानदार सफलता का जशन मना रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।